सायंकालीन

समाचार जगत

आर.एन.आई. नं. 67417/96

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष तृतीया संवत् 2083

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा



श्री श्री रवि शंकर जी

श्वास मन और शरीर के बीच की कड़ी है; श्वास की लय बदलने से भावनाओं में भी बदलाव आता है।

वर्ष 30 अंक 208

जयपुर, शुक्रवार 27 नवम्बर, 2026

मूल्य: 2 रुपए

न्यूज गैलरी

संसद के विशेष सत्र को लेकर कैबिनेट मीटिंग आज



नई दिल्ली, एजेन्सी। संसद के विशेष सत्र से पहले केंद्र सरकार और विपक्ष ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पीएम मोदी की अध्यक्षता में आज दोपहर 1 बजे केंद्रीय कैबिनेट की बैठक होगी। बैठक में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों पर चर्चा होने की संभावना है। सरकार पुराने विधेयकों में संशोधन कर उन्हें नए सिरे से पेश करने पर भी विचार कर सकती है। उधर, कांग्रेस ने भी आज शाम 4:30 बजे दिल्ली में संसदीय रणनीति समूह की बैठक बुलाई है। सोनिया गांधी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में संसद के विशेष सत्र को लेकर विपक्ष की रणनीति पर चर्चा होगी। डीएमके, वाईएसआरसीपी और एनसीपी (शरद पवार) ने भी बिल को सशर्त समर्थन के संकेत दिए हैं। उधर, अखिलेश यादव ने कहा कि परिसीमन बिल बीजेपी की सबसे बड़ी राजनीतिक गलती होगी।

दूसरे टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड ने बनाए 5 विकेट पर 246 रन



क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारत-न्यूजीलैंड के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का अन्तिम मुकाबला आज से क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल स्टेडियम में शुरू हुआ। दूसरे टेस्ट का पहला दिन मिलाजुला रहा है। टॉस हारकर बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड ने पहले दिन स्टंप्स तक 5 विकेट पर 246 रन बना लिए हैं। टॉम ब्लंडेल 53 और ग्लेन फिलिप्स 36 रन पर नाबाद लौटे। दोनों छठे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी कर चुके हैं। वॉशिंगटन सुंदर ने डेरिल मिचेल (31 रन) को कैच कराया। टी-ब्रेक से पहले रचिन रवींद्र जीरो, हेनरी निकल्स 16, कप्तान टॉम लैथम 59 रन बनाकर पवेलियन लौटे। गुरनूर बरार ने डेवोन कॉन्वे का विकेट लेकर ओपनिंग पार्टनरशिप ब्रेक की।

गुजरात एटीएस ने किया जैश के संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए वडोदरा से एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। एक समाचार एजेंसी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह एक अहम कामयाबी मानी जा रही है। गुजरात एटीएस के एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान संदिग्ध आतंकी के पास से एक ऑटोमैटिक राइफल और 20 से अधिक जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

भारत-रूस की नई साझेदारी की तैयारी

नई दिल्ली,एजेंसी। धरती पर दशकों पुराने रणनीतिक रिश्तों को अब अंतरिक्ष में नई ऊंचाई देने की तैयारी है। भारत और रूस के बीच सहयोग का दायरा रक्षा और ऊर्जा से आगे बढ़कर सिविल स्पेस सेक्टर तक पहुंच रहा है। रूस की कई कंपनियां भारतीय अंतरिक्ष उद्योग में संभावनाएं तलाश रही हैं।

कल्याण की बात...

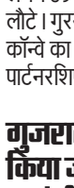

1.संविधान का नांव पर,
रोज करै खिलवाड़।
न्याव-नीत कूडै पटक,
करदै तिल को ताड़।।
2.स्याणा बोटर गांव का,
चुण्या सही हकदार।
तोड़ -फोड़, सौदागरी,
चोर रही सरकार।।
@कल्याण सिंह शेखावत

1980 के बाद सबसे बड़ी गिरावट... सोना 72000 रुपये सस्ता

समाचार जगत ब्यूरो

नई दिल्ली। जनवरी के बाद से ही सोने और चांदी की कीमत में रिकॉर्डतोड़ गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स के मुताबिक, 10 महीने से ज्यादा वक्तत में फ्यूचर सोना अपने हाई से करीब 72000 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हो चुका है, जबकि फ्यूचर चांदी 2.75 लाख रुपये प्रति किलो सस्ती हो चुकी है। तकनीकी तौर पर देखें तो सोना शायद ही कभी इतनी तेजी से गिरा होगा। The Kobeissi Letter के डाटा में भी सोने की गिरावट के लेकर ऐसा खुलासा किया गया है, जो आपको सोचने पर मजबूर कर देगा। डाटा के मुताबिक, सोना ओवरसोल्ड हो चुका है यानी कि बहुत ज्यादा गिर चुका है और सोने की कीमत अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से 20% नीचे कारोबार कर रही है, जो जून 2013 के बाद से सबसे बड़ी गिरावट को दिखाता है। इसका मतलब है कि सोने में 13 साल की सबसे बड़ी गिरावट



आई है। वहीं दूसरी ओर, इस जनवरी में सोने की कीमत अपने पीक लेवल पर थी और यह 200-दिन के मूविंग एवरेज से 45% ऊपर थी, जो 1970 के बाद का सबसे बड़ा लेवल था। हालांकि, इसके बाद से लगातार गिरावट देखने को मिली है और सोना अपने हाई लेवल से 37 फीसदी गिर चुका है। साल 1980 के दशक की शुरुआत के बाद से सोने में इतनी बड़ी गिरावट देखने को नहीं मिली थी। 1980 की शुरुआत में 12 महीने के भीतर सबसे बड़ी गिरावट आई थी। हालांकि इस साल 12 महीने की अवधि के भीतर यह सोने की सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है।

इतिहास में सबसे बड़ी गिरावट की तरफ सोना

वहीं साल 2008 के वित्तीय संकट के दौरान भी सोने की कीमतें अपने 200-दिन के मूविंग एवरेज से 20% नीचे आ गई थीं। हालांकि, अब तक की सबसे बड़ी ऐसी गिरावट 1981 में दर्ज की गई थी, जो 27% थी। सोना अपने इतिहास की सबसे गंभीर गिरावटों में से एक का सामना कर रहा है।

राजधानी जयपुर में दिल दहला देने वाली वारदात

बेटे ने मां और बहन की हत्या कर फंदे से झूलकर दी जान

एक ही कमरे में मिले तीनों के शव

दीवार पर चिपका मिला पर्चा-'मेरा सुसाइड नोट मोबाइल में है', पड़ोसियों की सूचना पर खुला मौत का राज

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। राजधानी जयपुर के भट्टा बस्ती थाना क्षेत्र के रामनगर में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से सनसनी फैल गई। यहां 27 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर अपनी मां और बहन की हत्या करने के बाद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। गुरुवार (26 नवंबर) को हुई इस घटना का खुलासा आज सुबह करीब 8 बजे हुआ, जब पड़ोसियों ने घर पहुंचकर एक ही कमरे में तीनों के शव पड़े देखे। कमरे की दीवार पर चिपके एक कागज ने पुलिस को मामले की अहम कड़ी दी। उस पर लिखा था 'मेरा सुसाइड नोट मोबाइल फोन में है।' एडि. डीसीपी नॉर्थ बजरंग सिंह ने बताया कि शवों की पहचान सरोज देवी (50), उनकी बेटी शिवांगी (25) और बेटे लक्की (27) के रूप में हुई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है, दूसरे रिश्तेदारों से भी पूछताछ की जा रही है। कुछ साल पहले भी इनके घर में सुसाइड हुआ था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है



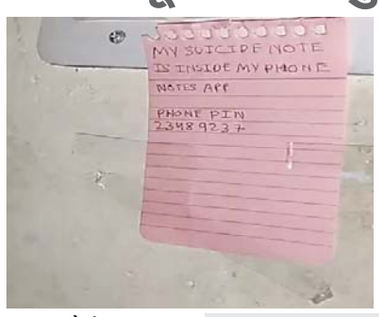



कि लक्की ने मां और बहन की हत्या करने के बाद आत्महत्या की।

मोबाइल में मिले सुसाइड नोट में मानसिक बीमारी का जिक्र: पुलिस को उसके मोबाइल फोन में एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने मानसिक बीमारी का जिक्र किया है। नोट में लिखा है कि उनके परिवार में इस तरह की बीमारी है और कुछ साल पहले जांच कराने पर भी इसके लक्षण सामने आए थे। जानकारी के अनुसार परिवार के मुखिया यानी लक्की के पिता ने भी कुछ साल पहले मानसिक बीमारी के चलते आत्महत्या कर ली थी। पुलिस इस पारिवारिक पृष्ठभूमि और सुसाइड नोट में किए गए उल्लेखों की जांच कर रही है। घटना का खुलासा भी बेहद चौंकाने वाले तरीके से हुआ। आज सुबह सरोज देवी के पिता दीप तिवारी ने परिवार के सदस्यों को फोन किया, लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं किया। इस पर उन्होंने पड़ोसियों को फोन कर घर जाकर हालचाल जानने को कहा। पड़ोसी जब घर पहुंचे तो एक कमरे में तीनों के शव मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी के अनुसार परिवार ज्यादातर घर में ही रहता था। बाहर नहीं निकलता था। बेटा ऑनलाइन काम करता था, लेकिन उसका भी बाहर आना-जाना नहीं होता था।

कोटा: नीट स्टूडेंट ने हॉस्टल की खिड़की से कूदकर किया सुसाइड



कोटा, समाचार जगत ब्यूरो। कोटा में नीट स्टूडेंट ने हॉस्टल से कूदकर सुसाइड कर लिया। स्टूडेंट हॉस्टल की सीढ़ी में बनी खिड़की से करीब 40 फीट ऊंचाई से कूदा। वह इटावा का रहने वाला था। शव को न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में रखवाया गया है। घटना आज सुबह 7 बजे के आसपास जवाहर नगर थना क्षेत्र की है। हादसे की जानकारी पर परिजन कोटा पहुंचे। जवाहर नगर थाना पुलिस ने बताया कि स्टूडेंट अमन मीणा (22) कोटा के इटावा कस्बे के धुजणी गांव का रहने वाला था। आज सुबह 6.45 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी, इसके बाद मौके पर गए। पूछताछ में सामने आया कि अमन मीणा कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। दो-तीन महीने तक जवाहर नगर स्थित एक रेजिडेंसी में रहा था। आज सुबह अपने दोस्त अभय से मिलने हॉस्टल आया था।

प्रदेश के 37 जिलों में 419 पंचायत समिति प्रधानों के लिए चुनाव आज

शाहपुरा में कांग्रेस की संतरा देवी निर्विरोध बनी प्रधान



समाचार जगत न्यूज

जयपुर। राजस्थान की 37 जिलों की 419 पंचायत समितियों में आज प्रधान पद के लिए चुनाव होंगे। यहां प्रधान के प्रत्याशियों की ओर से नामांकन जमा कराए जा रहे हैं। वहीं, जयपुर जिले की शाहपुरा पंचायत समिति में कांग्रेस की संतरा देवी गुर्जर निर्विरोध प्रधान निर्वाचित हो गई हैं। अन्य पंचायत समितियों में सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक नामांकन प्रक्रिया का समय है। इसके बाद मतदान और मतगणना कर शाम 5 बजे तक परिणाम घोषित किए जाएंगे। शनिवार को उप प्रधान के चुनाव होंगे। प्रधान पद के चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है। कई जिलों में निर्वाचित सदस्यों की बाड़ेबंदी की गई है। सदस्यों को सीधे बाड़ेबंदी से मतदान केंद्रों तक लाया जाएगा। दलबदल विरोधी कानून लागू नहीं होने से राजनीतिक दलों के बीच जोड़-तोड़ और निर्दलीय सदस्यों को साधने की कोशिशें तेज हैं। पंचायत समिति सदस्य चुनाव में कांग्रेस ने 275 और भाजपा ने 63 समितियों में जीत दर्ज की थी। कांग्रेस के शेष पृष्ठ दो पर

जयपुर की खूबसूरती पर फिदा हुए विंदु दारा सिंह, बोले- पहचान बचाकर रखें



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। बॉलीवुड अभिनेता विंदु दारा सिंह गुरुवार देर रात जयपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर प्रशंसकों ने उन्हें देखते ही घेर लिया। फैंस ने गर्मजोशी से मुलाकात की और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। विंदु अपने दोस्त नागर साहब के घर शादी समारोह में शामिल होने आए हैं। शेष पृष्ठ दो पर

शादी से लौट रहे चाचा-भतीजे की सड़क हादसे में मौत

समाचार जगत ब्यूरो

अजमेर। शादी समारोह की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब किशनगढ़ में परिचित की बारात में शामिल होकर स्कूटर से पुष्कर लौट रहे चाचा-भतीजे की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। अजमेर-पुष्कर बायपास पर कायड़ तालाब की पुलिया के पास तेज रफ्तार कार ने उनके स्कूटर को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि स्कूटर के परखच्चे उड़ गए और दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।



दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन सहित फरार हो गया। जानकारी के अनुसार पुष्कर के माली मोहल्ला निवासी हुकमचंद दगदी (40) पुत्र पूनमचंद और यश दगदी (23) पुत्र त्रिलोकचंद आपस में चाचा-भतीजे थे। दोनों किशनगढ़ में एक परिचित की शादी में शामिल होने गए थे।

राजस्थान में आज शीतलहर का अलर्ट

फतेहपुर 3.3 डिग्री पर ठिठुरा

सुबह-शाम चल रही ठंडी हवाओं से जनजीवन प्रभावित, 14 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे पहुंचा



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। राजस्थान में नवंबर के आखिरी दिनों में सर्दी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाओं के चलते प्रदेश में सीजन की पहली शीतलहर ने दस्तक दे दी है। प्रदेश के 14 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। सुबह-शाम चल रही ठंडी हवाओं से जनजीवन प्रभावित होने लगा है। शेष पृष्ठ दो पर

स्वच्छ भारत मिशन में राजस्थान देश में प्रथम, मुख्यमंत्री ने जताई खुशी

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत पंजीकरण में राजस्थान के देशभर में प्रथम स्थान हासिल करने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि स्वच्छता के प्रति प्रदेशवासियों की जागरूकता और सक्रिय जनभागीदारी को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा संदेश में कहा कि स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देकर स्वच्छ एवं स्वस्थ राजस्थान का निर्माण करना राज्य



सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने इस उपलब्धि को सरकार और आमजन के साझा प्रयासों का परिणाम बताया। शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने में राजस्थान अग्रणी भूमिका निभा रहा है। राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को शेष पृष्ठ दो पर

पंजाब के पठानकोट में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

चेतावनी अनसुनी करने पर बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिए को किया ढेर



पठानकोट, एजेंसी। पंजाब में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षाबलों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गोली मारकर ढेर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को पंजाब में पाकिस्तान के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गोली मारकर ढेर कर दिया। उन्होंने बताया कि यह घटना पठानकोट में उझ नदी के पास पहाड़पुर बॉर्डर पोस्ट इलाके में तड़के करीब 2 बजे हुई। अधिकारियों के अनुसार, घुसपैठिए को रुकने के लिए कहा गया, लेकिन वह अंतरराष्ट्रीय सीमा की ओर बढ़ता रहा, जिसके बाद बीएसएफ जवानों ने उसे गोली मार दी। बता दें कि सर्दी के मौसम आते ही इस तरह की घटनाएं सीमा वाले क्षेत्रों में तेज हो जाती है। यही कारण है कि बॉर्डर एरिया में पुलिस की ओर से सुरक्षा शेष पृष्ठ दो पर

जेडीए चौराहे पर दिशा सूचक बोर्डों की दिशा ही बिगड़ी, राहगीर रास्तों में अटके

पहली बार आने वाले वाहन चालक हो रहे भ्रमित जिम्मेदार विभाग की अनदेखी पर उठे सवाल

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। शहर की सड़कों पर राहगीरों और वाहन चालकों को सही रास्ता दिखाने के लिए लगाए गए दिशा सूचक साइन बोर्ड ही जब अपनी पहचान खोने लगें तो लोगों की परेशानी बढ़ना लाजिमी है। राजधानी के जेडीए चौराहे पर इन दिनों कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा है। यहां लगे दिशा सूचक साइन बोर्ड बीच से टूटे और क्षतिग्रस्त अवस्था में हैं। नतीजतन, रास्तों की जानकारी देने वाले ये बोर्ड राहगीरों को सही



दिशा बताने के बजाय उन्हें भ्रमित कर रहे हैं। जेडीए चौराहे पर लगे दो-तीन दिशा सूचक साइन बोर्ड बीच में से कटे हुए हैं। इनकी खराब स्थिति के कारण वाहन चालकों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए सही दिशा की जानकारी नहीं मिल पा रही है।

क्षतिग्रस्त बोर्डों की नहीं ली जा रही सुध

खासकर इस मार्ग से पहली बार गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। कई बार सही रास्ता समझने में उनका समय भी बर्बाद होता है और अनावश्यक भटकाव की स्थिति बन जाती है। हैरानी की बात यह है कि इन दिशा सूचक साइन बोर्डों के रखरखाव की जिम्मेदारी से जुड़े जेडीए सर्किल के पास ही इनकी यह हालत बनी हुई है। वहीं जयपुर नगर निगम भी यहां से महज 400 मीटर की दूरी पर स्थित है। इसके बावजूद क्षतिग्रस्त बोर्डों की सुध नहीं ली जा रही है। दिशा सूचक बोर्ड शहर की यातायात व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। इनका सही स्थिति में होना आमजन की सुविधा और सुगम आवागमन के लिए जरूरी है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग एवं प्रशासन से मांग की है कि जेडीए चौराहे पर क्षतिग्रस्त बोर्डों की तत्काल मरम्मत करवाई जाए अथवा नए बोर्ड लगाए जाएं। अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग कब जागता है और राहगीरों को इस दिशा भ्रम से निजात मिलती है।



फोनपे ने 20 लाख लोन का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो। देश के छोटे कारोबारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में फोनपे लेंडिंग ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अपने बैंक और एनबीएफसी पार्टनर्स के माध्यम से माइक्रो एंटरप्राइजेज को 20 लाख से अधिक लोन उपलब्ध कराने में मदद की है। 2023 में मर्चेंट लेंडिंग सेवा शुरू करने के बाद फोनपे अब भारत के करीब 97 प्रतिशत पिनकोड तक अपनी पहुँच बना चुका है। खास बात यह है कि कुल लोन में 60 प्रतिशत से अधिक टियर-2 और छोटे शहरों में दिए गए हैं, जबकि 15 प्रतिशत लोन ऐसे कारोबारियों ने लिए हैं, जिन्होंने पहली बार औपचारिक क्रेडिट प्राप्त किया है। कंपनी के अनुसार, 50,000 से अधिक फील्ड एग्जीक्यूटिव्स और एआई तकनीक के जरिए छोटे व्यापारियों तक लोन पहुँचाया जा रहा है। फोनपे लेंडिंग के सीईओ हेमंत गाला ने कहा कि यह उपलब्धि एमएसएमई सेक्टर की वित्तीय जरूरतें पूरी करने और डिजिटल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कर्टेन रेजर समारोह 13 को



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. सप्त शक्ति कमान की ओर से बुधवार को सप्त शक्ति सभागार, जयपुर में 'ऑनर रन जयपुर 2026' के कर्टेन रेज़र समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह 13 दिसंबर 2026 को अल्बर्ट हॉल, जयपुर में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम की तैयारियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। इस आयोजन का उद्देश्य राष्ट्र के वीर योद्धाओं के शौर्य एवं बलिदान को सम्मान देना तथा देशभक्ति, शारीरिक स्वस्थता और एकता को बढ़ावा देना है। समारोह में सप्त शक्ति कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल पी. एस. शेखावत ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस कार्यक्रम में चार एंबेसडर, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, नागरिक प्रशासन के प्रतिनिधि, कार्यरत सैनिक, विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स एवं क्षेत्र के युवाओं सहित 600 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत संबोधन से हुई, जिसके बाद विशेष रूप से तैयार की गई ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति के माध्यम से 'ऑनर रन जयपुर 2026' की परिकल्पना, उद्देश्यों एवं महत्व को दर्शाया गया। समारोह का प्रमुख आकर्षण 'ऑनर रन जयपुर 2026' की आधिकारिक टी-शर्ट, पदक एवं स्मृति सामग्री का अनावरण रहा, जो समर्पण, दृढ़ संकल्प और सामूहिक सहभागिता की भावना का प्रतीक है।

जयपुर की .... (शेष 1 का शेष)

एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि जयपुर जब भी आता हूं, बहुत अच्छा लगता है। यह अपने आप में अनोखा शहर है। लगातार शूटिंग और इवेंट्स के सिलसिले में यहां आना होता रहता है। उन्होंने कहा कि शहर की खूबसूरती और पुरानी पहचान बरकरार रखने के लिए अनियंत्रित निर्माण पर नियंत्रण जरूरी है। बड़ी-बड़ी इमारतों के निर्माण को सीमित करना चाहिए और शहर में शांति बनाए रखनी चाहिए। बदलते मौसम पर उन्होंने कहा कि पहले इस समय जयपुर में काफी ठंड पड़ती थी, लेकिन अब वैसी ठंड महसूस नहीं होती। उन्होंने कहा, "जयपुर यादों का शहर है। यहां से जब भी लौटता हूं, अपने साथ बहुत सारी यादें लेकर जाता हूं।" गौरतलब है कि विंदु दारा सिंह दिग्गज पहलवान एवं अभिनेता दारा सिंह के बेटे हैं। वे बिग बॉस सीजन-3 के विजेता रह चुके हैं। हाउसफुल और पार्टनर जैसी फिल्मों के अलावा कई टीवी धारावाहिकों और रियलिटी शोज में भी नजर आ चुके हैं।

प्रदेश के 37 .... (शेष 1 का शेष)

सामने अपना बहुमत बचाने की चुनौती है, जबकि भाजपा 100 से अधिक समितियों में प्रधान बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। जयपुर जिले की 22 पंचायत समितियों में से 14 में कांग्रेस, दो में भाजपा और एक में आरएलपी को बहुमत मिला है। पांच समितियों में किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं है। ऐसे में निर्दलीय सदस्यों की भूमिका निर्णायक रहेगी।

राजस्थान में आज .... (शेष 1 का शेष)

गुरुवार को सीकर, अजमेर, टोंक, बूंदी और कोटा जिलों में शीतलहर का असर देखने को मिला। इन क्षेत्रों में रात का तापमान सामान्य से करीब पांच डिग्री तक नीचे चला गया। मौसम विभाग ने पांच जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार 27 से 30 नवंबर तक शेखावाटी क्षेत्र सहित अजमेर और कोटा संभाग में कहीं-कहीं शीतलहर चलने की संभावना है। इस दौरान शेखावाटी में न्यूनतम तापमान 4 से 6 डिग्री तथा अजमेर और कोटा संभाग में 8 से 11 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। सीकर जिले में ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है। फतेहपुर कृषि अनुसंधान केंद्र पर न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह कुछ गांवों में हल्की धुंध भी छाई रही। रात 8 बजे से सुबह 9 बजे तक दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। दिन में धूप खिलने से राहत मिलेगी, जबकि रात के तापमान में गिरावट से ठंड बढ़ सकती है। तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। 30 नवंबर की रात नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। दिसंबर की शुरुआत में सर्दी और तेज होने के आसार हैं।

चेतावनी अनसुनी .... (शेष 1 का शेष)

प्रबंध और मजबूत किए जा रहे हैं। सर्दी के दौरान सामने आने वाली संभावित चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सेकंड लाइन ऑफ डिफेंस पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि धुंध की आड़ में कोई भी असामाजिक तत्व अपनी गतिविधियों को अंजाम न दे सके। इसी को देखते हुए पुलिस की ओर से बीएसएफ के साथ मिलकर सीमा क्षेत्र में विशेष सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। वहीं, सेकंड लाइन ऑफ डिफेंस पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उचित कदम उठाते हुए प्रत्येक पुलिस नाके पर तैनात कर्मचारियों को विशेष सतर्कता और सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए हैं। यह क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है, क्योंकि एक ओर यह भारत-पाकिस्तान सीमा से सटा हुआ है, वहीं जिले के इस क्षेत्र की एक सीमा जम्मू-कश्मीर के साथ भी लगती है।

स्वच्छ भारत .... (शेष 1 का शेष)

मजबूत करने और बेहतर जनस्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। उन्होंने प्रभु श्रीराम से उनके सुखमय जीवन की प्रार्थना की। वहीं, राष्ट्र सेविका समिति की संस्थापिका लक्ष्मीबाई केलकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तीकरण, नारी उत्थान और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी बढ़ाने के प्रयास सदैव प्रेरणादायी रहेंगे।

दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी बननी शुरू

खोले के हनुमानजी में लक्खी अन्नकूट 29 को

61 भट्टियां, 22 चूल्हे, 13 खंडों में होगी पंगत प्रसादी की व्यवस्था

पांच हजार कार्यकर्ता संभालेंगे व्यवस्थाएं

समाचार जगत न्यूज





आसपास के 61 देवालयों में लगेगा भोग

सर्वप्रथम अन्नकूट और छप्पन भोग का प्रसाद लक्ष्मण डूंगरी के शिखर पर विराजमान श्रीरामजी-हनुमानजी सहित परिसर के सभी देवालयों में अर्पित किया जाएगा। रविवार को खोले के हनुमानजी की फल-सब्जियों की झांकी, श्री आनंदेश्वर महादेव की अन्न झांकी, सियारामजी महाराज की छप्पन भोग झांकी और श्री गणेशजी की लड्डुओं की झांकी सजाई जाएगी। अन्नपूर्णा माता मंदिर में विभिन्न व्यंजनों की झांकी तथा अन्नकूट स्थल पर शिव परिवार की बर्फ की झांकी भी आकर्षण का केन्द्र रहेगी। परिसर के अन्य देवालयों में भी विभिन्न झांकियां सजेंगी। आसपास के क्षेत्र के 61 मंदिरों में भी प्रसादी का भोग लगाया जाएगा। मंदिर परिसर के पास स्थित हड्डीशाह बाबा की मजार पर भी छप्पन भोग, अन्नकूट प्रसादी अर्पित करने के साथ चादर चढ़ाई जाएगी।

जयपुर. दिल्ली बाईपास स्थित श्री खोले के हनुमानजी मंदिर में 29 नवंबर को 66वां लक्खी अन्नकूट महोत्सव आयोजित होगा। द्वादश ज्योतिर्लिंग, सियारामजी, हनुमानजी, मां गायत्री, वैष्णो माता और अन्नपूर्णा माता सहित परिसर के सभी देवालयों में अन्नकूट एवं छप्पन भोग का प्रसाद अर्पित किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे से रात 11 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए पंगत प्रसादी शुरू होगी।

वेद मंत्रों का उच्चारण : समिति के महामंत्री बृजमोहन शर्मा ने बताया कि 29 को सुबह हनुमानजी महाराज के अभिषेक, चोला धारण, श्रृंगार, छप्पन भोग और फल-सब्जियों की झांकी के साथ समारोह की शुरुआत होगी। सुबह 9 से 10 बजे तक वेद विद्यालय के विद्यार्थी वेद मंत्रों का उच्चारण करेंगे। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक शिव सत्संग मंडल की ओर से हरिनाम संकीर्तन होगा। सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक सुंदर बैंड की ओर से बैंड वादन होगा। सुबह 11:30 बजे जयपुर के संत-महंतों की उपस्थिति में हनुमानजी के अन्नकूट भोग की सामूहिक आरती की जाएगी। इसके बाद समिति की ओर से संत-महंतों का सम्मान होगा।

दोपहर 12:30 बजे से रात 11 बजे तक लगातार पंगत प्रसादी वितरित की जाएगी। आयोजन में दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। पिछले वर्ष करीब दो लाख भक्तों ने पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की थी। सर्वसमाज की सहभागिता वाले इस आयोजन का नाम गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी दर्ज है।

श्री नरवर आश्रम सेवा समिति (श्री खोले के हनुमानजी प्रन्यास) के अध्यक्ष गिरधारी लाल शर्मा ने बताया कि ब्रह्मलीन बाबा राधेलाल चौबे की स्थापित परंपरा के अनुसार अन्नकूट महोत्सव में जाति-पाति, छोटे-बड़े, अधिकारी-कर्मचारी और राजनेता सभी एक ही पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण करते हैं। वर्ष 2017 में सीमित समय में 1.25 लाख श्रद्धालुओं द्वारा अनुशासित तरीके से प्रसादी ग्रहण करने का कीर्तिमान गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ था। इसी समरसता और सर्वसमाज की सहभागिता के कारण यह आयोजन जयपुर ही नहीं, पूरे राजस्थान में अपनी अलग पहचान रखता है। मंदिर की परंपरागत झांकियों के साथ इस बार केदारनाथ की बर्फ की झांकी विशेष आकर्षण होगी।

मुख्य संयोजक ओम रावत ने बताया कि करीब 65 वर्ष पूर्व मात्र ढाई किलो अन्न से शुरू हुआ अन्नकूट महोत्सव आज लक्खी आयोजन का रूप ले चुका है। इस बार मूंग, चौला, बाजरा, चावल, गड़मढ़ सब्जी, कढ़ी, हलवा और भुजिया सहित विभिन्न व्यंजन प्रसादी में शामिल होंगे। 61 भट्टियों और 22 चूल्हों पर शनिवार शाम से प्रसादी बनाने का काम शुरू होगा, जो रविवार देर रात तक चलेगा। छप्पन भोग की तैयारी बुधवार से ही शुरू कर दी गई है।

सबको मिलेगी गर्म-ताजा प्रसादी: प्रचार मंत्री द्वारका प्रसाद सोढ़ानी ने बताया कि श्रद्धालुओं तक गर्म और ताजा प्रसादी पहुंचाने के लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। प्रसादी वितरण के लिए 13 अलग-अलग खंड बनाए गए हैं, जहां सैकड़ों स्वयंसेवक विभिन्न संगठनों के सहयोग से सेवा देंगे। आयोजन की व्यवस्थाओं में करीब पांच हजार कार्यकर्ता और श्रद्धालु सेवाएं देंगे। मंदिर परिसर को सजाने-संवारने के साथ आकर्षक रोशनी की व्यवस्था की जा रही है।

भजनों की स्वर लहरियों के बीच प्रसादी का दौर: दोपहर 1 से 3 बजे तक श्याम ज्योति भजन संध्या, 3 से 5 बजे तक श्री गुरुकृपा जागरण मंडल की ओर से भजन गायन होगा। शाम 5 से 7 बजे तक पीआर स्वामी तथा शाम 7 से 9 बजे तक मोहन बालोदिया व अन्य कलाकार राम मंदिर में भजनों की प्रस्तुतियां देंगे।

आरयू में राष्ट्रीय छात्र कला शिविर 'स्पंदन' शुरू

चित्रों में झलके प्रकृति से लेकर जीवन के विविध रंग

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. कहीं कोई युवा चित्रकार प्रकृति की विविधताओं को अपने चित्र में उकेर रहा था, तो कहीं कोई जिंदगी के रहस्यों को सुलझाती हुई पेंटिंग बना रहा था। कुछ ऐसा ही नजारा था गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के चित्रकला विभाग का, जहां पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (डब्ल्यूजेडसीसी), उदयपुर के सहयोग से राष्ट्रीय छात्र कला शिविर स्पंदन 2026 का आयोजन किया गया।



विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय स्थित म्यूजिक हॉल में आयोजित इस तीन दिवसीय शिविर में देशभर के 34 विद्यार्थी चित्रकार भाग ले रहे हैं। इनमें 17 विद्यार्थी राजस्थान के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा 17 विद्यार्थी देशभर के विश्वविद्यालयों से आए हैं। इससे पूर्व शिविर का दीप प्रज्ज्वलन कर विविधत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराजा सूरजमल विश्वविद्यालय, भरतपुर के कुलगुरु प्रो. मदन सिंह राठौड़ थे। विशिष्ट अतिथि नामचीन कलाकार डॉ. विजय एम. धोरे रहे। शिविर का आयोजन राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बी. पी. सारस्वत के संरक्षण में किया जा रहा है। डब्ल्यूजेडसीसी के निदेशक डॉ. अश्विन महेश दलवी तथा चित्रकला विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता राज गोयल शिविर का संयोजन कर रहे हैं। शिविर का उद्देश्य युवा कलाकारों को साझा मंच प्रदान कर उन्हें कला के माध्यम से अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का अवसर देना है। शिविर का समापन शनिवार को होगा।

पान मसाला के जब्त ट्रकों की नीलामी कल से

विभाग ने जब्त कर रखे हैं पान मसाला से लदे 10 ट्रक

- ट्रकों में मिला तानसेन, विमल और पान बहार पान मसाला और जर्दा

विमल कोठारी

जयपुर. इस माह की शुरुआत में बिना ई-वे बिल व पर्याप्त दस्तावेज के अभाव में पकड़े गए पान मसाला और जर्दा के 10 ट्रकों की नीलामी की शुरुआत हो रही है। विभाग ने कार्रवाई में तानसेन, विमल और पान बहार ब्रांड के पान मसाला और इसके साथ ग्राहकों को दिए जाने वाले जर्दा पकड़ा था। पहली नीलामी आगामी 28 नवम्बर को वाणिज्यिक कर विभाग-एसजीएसटी के पावटा, जोधपुर स्थित कार्यालय पर सुबह 11 बजे से होगी। पान मसाले की इस प्रस्तावित नीलामी को लेकर भी पान मसाला कारोबार से जुड़े लोगों और विभागीय अधिकारियों में अनेक चर्चाएं हैं। आशंका जताई जा रही है कि पान मसाला का परिवहन करने वाले ट्रांसपोर्ट कम्पनी संचालक से अधिकारी परिवहनित माल के क्रेता-विक्रेता का विवरण जुटाने में असफल रहे, इससे नीलामी हो रही है, लेकिन इस नीलामी के सफल होने के बावजूद सरकार को पान मसाले पर वसूले जाने वाले जीएसटी और जुर्माने की तुलना में कम राशि के राजस्व से ही संतोष करना होगा। विश्वस्त सूत्रों का दावा है कि नीलामी की प्रक्रिया और इस संबंध में दी गई सार्वजनिक सूचना भी अपर्याप्त है, जिससे इस नीलामी की सफलता पर संदेह किया जा रहा है।

नीलामी की सार्वजनिक सूचना में विभाग की ओर से नीलाम किए जा रहे पान मसाले के ब्रांड तक का उल्लेख नहीं किया गया, इस तरह नीलामी में हिस्सा लेने वालों के लिए जिस विभागीय वेबसाइट पर सूचनाओं की उपलब्धता का उल्लेख किया गया है, वह साइट ही नहीं चल रही। ऐसे में पर्याप्त मात्रा में नीलामी में खरीदारों की उपस्थिति और उचित मूल्य मिलने पर ही स्वभाविक रूप से संदेह किया जा रहा है।सूत्रों का दावा है कि यदि जोधपुर में बिना ई-वे बिल व पर्याप्त दस्तावेज के अभाव में पकड़े गए पान मसाला के दोनों ट्रकों को लेकर कार्रवाई करने वाले अधिकारियों ने गंभीरता दिखाई होती और ट्रांसपोर्ट कम्पनी पर शिकंजा कड़ा किया होता तो इसके क्रेता-विक्रेता विभाग के सामने समर्पण कर देते और उनसे पान मसाला में हो रही जीएसटी चोरी को लेकर अनेक राज भी मिल जाते। इसी तरह राज्य के अन्य शहरों में पकड़े गए पान मसाले को लेकर यदि क्षेत्राधिकार का सवाल था तो इस मामले को वस्तु व सेवा कर आसूचना महानिदेशालय-डीजीजीआई को भी सुपुर्द किया जा सकता था, जिनका क्षेत्राधिकार पूरा भारतवर्ष है। इससे जीएसटी चोरी में लिप्त पान मसाला निर्माताओ, कारोबारियों और परिवहनकर्ताओं का पर्दाफाश होता।

उधर, वाणिज्यिक कर विभाग-एसजीएसटी की ओर से जारी अधिकृत नीलामी सूचना के अनुसार 28 नवम्बर को पान मसाला को छुड़वाने माल मालिक के नहीं पहुंचने पर विभाग ट्रक पंजीयन क्रमांक GJ31T7784 के माध्यम से बिना ई-वे बिल व पर्याप्त दस्तावेज के परिवहनित 17,32,500 पाउच की नीलामी करने की योजना बना रहा है। इस माल की अनुमानित कीमत करीब 33 लाख 75 हजार रुपए आंकी गई है। यह नीलामी विभाग के जोधपुर के पावटा सर्किल स्थित कार्यालय, कर भवन के दूसरी मंजिल स्थित सभागार में खुली बोली के माध्यम से होगी। अब इस मामले में विभागीय अधिकारियों के हाथ कितनी सफलता मिलती है इसके परिणाम तो 28 नवम्बर को ही आएंगे।

वार्ड 53 में बोरिंग चालू करवाई, सीवरेज लाइन का काम जल्द होगा शुरू

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। वार्ड 53 के पशुपतिनाथ नगर स्थित मंदिर परिसर में बंद पड़ी बोरिंग को पुनः चालू करवा दिया गया है। वहीं, लक्ष्मी विहार सी ब्लॉक, चक गेटोर में सीवरेज लाइन से वंचित शेष क्षेत्र में जल्द ही निर्माण कार्य शुरू करवाया जाएगा। वार्ड पार्षद सतीश जयपुरिया ने बताया कि क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार और आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जा रहा है। पशुपतिनाथ नगर स्थित मंदिर परिसर में बोरिंग के स्टार्टर और खंभे की डोरियां चोरी होने से बोरिंग बंद हो गई थी। इससे मंदिर परिसर में चल रहे जीर्णोद्धार कार्य के साथ ही आमजन की पानी संबंधी आवश्यकताएं भी प्रभावित हो रही थीं। समस्या को देखते हुए बोरिंग की समस्त वायरिंग



बदलवाकर उसे पुनः चालू करवा दिया गया है। पार्षद ने स्थानीय नागरिकों से सरकारी संपत्ति की सुरक्षा और संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुविधाएं सभी की साझा धरोहर हैं। इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सभी नागरिकों की है। सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के बजाय उनकी रक्षा में सहभागी बनें। वार्ड के लक्ष्मी विहार सी ब्लॉक, चक गेटोर में सीवरेज सुविधा से वंचित शेष क्षेत्र में जल्द ही सीवरेज लाइन डलवाने का कार्य शुरू करवाया जाएगा। इससे स्थानीय निवासियों को सीवरेज संबंधी समस्याओं से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। पार्षद ने कहा कि वार्ड के प्रत्येक क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार और सुव्यवस्थित विकास करवाना उनकी प्राथमिकता है। जनसमस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सांगानेर में सड़क निर्माण कार्य शुरू, क्षेत्रवासियों को मिलेगी राहत

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए वार्ड 91 और नवगठित वार्ड 58 के श्याम विहार तृतीय, लक्ष्मी नगर, अवध विहार एवं घोसल्या की ढाणी में लंबे समय से प्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्य शुरू हो गया है। वहीं, डिग्गी रोड स्थित खुशी विहार में 400 मीटर लंबी सीसी सड़क का निर्माण भी प्रारंभ हुआ है। इससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। सांगानेर मंडल अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए सड़क निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है। उन्होंने विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान करने और उन्हें धरातल पर शुरू करवाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री के सहयोग और मार्गदर्शन में सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। नई सड़कों के निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी और लंबे समय से आ रही समस्याओं से राहत मिलेगी।



संविधान दिवस — कानून एवं व्यवस्था के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. राठौड़ ने कहा

जागरूक नागरिक ही लोकतंत्र की असली शक्ति

संविधान की सर्वोच्चता, राष्ट्र प्रथम की भावना और नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन ही सशक्त भारत का आधार: कुलगुरु

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. राजस्थान विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर 'संविधान की आत्मा और भारत का भविष्यः लोकतांत्रिक मूल्यों से राष्ट्र निर्माण तक' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने की। मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय पुलिस सेवा के 2009 बैच के अधिकारी एवं जयपुर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. अजय सिंह राठौड़ उपस्थित रहे। कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने 'राष्ट्र प्रथम' की भावना और संविधान की सर्वोच्चता को भारतीय लोकतंत्र की आधारभूत विशेषता बताते हुए कहा कि राष्ट्रहित, संवैधानिक मर्यादाओं और नागरिक उत्तरदायित्वों के प्रति निष्ठा प्रत्येक नागरिक का मूल दायित्व है। संविधान हमें अधिकारों की गारंटी प्रदान करने के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग करता है।



मुख्य वक्ता डॉ. अजय सिंह राठौड़ ने अपने व्याख्यान में संविधान की आत्मा, लोकतांत्रिक मूल्यों और पुलिस एवं प्रशासन की संवैधानिक जिम्मेदारियों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान केवल शासन संचालन की व्यवस्था नहीं, बल्कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता पर आधारित सामाजिक एवं लोकतांत्रिक जीवन का मार्गदर्शक है। संविधान की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब उसके मूल्यों और आदर्शों का पालन शासन-प्रशासन से लेकर समाज के प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित हो। गौरतलब है कि डॉ. अजय सिंह राठौड़ राजस्थान विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विद्यार्थी एवं शोधार्थी रहे हैं।

संविधान दिवस की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला

कार्यक्रम के प्रारंभ में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए संविधान दिवस की ऐतिहासिक एवं समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की आत्मा न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के उन मूल्यों में निहित है, जो भारतीय लोकतंत्र को दिशा और आधार प्रदान करते हैं। संचालन श्रवण कुमार ने किया। आयोजन संयोजक डॉ. प्रियंका आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जयपुर की शकुन्तला विजयवर्गीय का उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में व्यापक महिला जनसंवाद

समाचार जगत न्यूज



जयपुर। महिला सशक्तीकरण और संगठनात्मक मजबूती को लेकर राजस्थान भाजपा महिला मोर्चा की निवर्तमान प्रदेश कोषाध्यक्ष शकुन्तला विजयवर्गीय ने उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की भोगाँव विधानसभा में संगठनात्मक प्रवास कर व्यापक महिला जनसंवाद किया। राजस्थान से उत्तर प्रदेश प्रवास पर गईं 50 महिला कार्यकर्ताओं को अलग-अलग विधानसभाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें सर्वाधिक महिला कार्यकर्ताओं का प्रवास ब्रज क्षेत्र में रहा। शकुन्तला विजयवर्गीय को मैनपुरी जिले की भोगाँव विधानसभा का दायित्व दिया गया। अपने प्रवास के दौरान विजयवर्गीय ने भोगाँव विधानसभा के सभी मंडलों के विभिन्न गांवों एवं बूथों पर पहुंचकर आंगनवाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ताओं, स्वयं सहायता समूहों की बहनों, इन्फ्लुएंसर बहनों से मुलाकात कर संवाद किया। उन्होंने महिलाओं की समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को गंभीरता से जाना। साथ ही महिला सशक्तीकरण, आत्मनिर्भरता और सरकारी योजनाओं के लाभ को लेकर विस्तार से चर्चा की। प्रवास के दौरान उन्होंने अनुसूचित जनजाति परिवार के यहां भोजन कर सामाजिक समरसता एवं आत्मीयता का संदेश दिया। इसके साथ ही भोगाँव विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री राम नरेश अग्निहोत्री से भी उनकी आत्मीय मुलाकात हुई। इस प्रवास में मैनपुरी जिला महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष प्रज्ञा सैंगर, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की लाभार्थी महिलाओं, प्रबुद्धजन महिलाओं तथा सोशल मीडिया उपाध्यक्ष नीतू जादव, महामंत्री शशि पाठक एवं विधानसभा प्रभारी मुन्नी राजपूत सहित स्थानीय महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। शकुन्तला विजयवर्गीय ने कहा कि राजस्थान की 50 महिला कार्यकर्ताओं का उत्तर प्रदेश की विभिन्न विधानसभाओं में संगठनात्मक प्रवास महिला सशक्तीकरण एवं संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। महिलाओं के बीच पहुंचकर उनकी बात सुनना, अपेक्षाओं को समझना और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उन तक पहुंचाना इस प्रवास का प्रमुख उद्देश्य है।

न्यूज गैलरी

संविधान दिवस पर प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को भेंट की पुस्तक



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। स्वदेशी जागरण मंच के राजस्थान प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ. धर्मवीर चंदेल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने संविधान दिवस के अवसर पर राजभवन में महामहिम राज्यपाल से भेंट कर उन्हें संविधान दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर डॉ. धर्मवीर चंदेल ने राज्यपाल को डॉ. भीमराव अम्बेडकर से संबंधित पुस्तक भेंट की। भेंट के दौरान स्वदेशी, राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता तथा संविधान के मूल्यों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने संविधान के आदर्शों, नागरिक कर्तव्यों और राष्ट्र निर्माण में समाज की सहभागिता के महत्व पर भी विचार साझा किए। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के नेता एन, एल. चतुर्वेदी, मोतीलाल बागोरिया तथा अधिवक्ता निशांत चंदेल सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सिंधी कैंप बस स्टैंड के बाहर सीवर लाइन साफ करवाई, जलभराव से मिली राहत



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। सिंधी कैंप बस स्टैंड के मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर सीवर की समस्या से हो रहे जलभराव के कारण यात्रियों और आसपास के दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सूचना मिलने पर वार्ड 100 की पार्षद कविता शर्मा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्या के समाधान के निर्देश दिए। पार्षद के निर्देश पर सीवर लाइन की सफाई करवाई गई, जिससे जलभराव की समस्या का समाधान हुआ और यात्रियों व दुकानदारों को राहत मिली। कविता शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में आमजन को होने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान करवाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

अरण्य भवन से जवाहर नगर बाइपास तक सफाई, सड़क के दोनों ओर से हटाया कचरा

जयपुर। अरण्य भवन से जवाहर नगर बाइपास तक सड़क के दोनों ओर जमा कचरे को नगर निगम की टीम ने हटाकर सफाई की। सफाई अभियान के बाद मार्ग पर स्वच्छता नजर आई। वार्ड 80 की पार्षद रेनू जितेंद्र चौधरी ने सफाई कार्य में सहयोग करने वाले निगम अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाई टीम का आभार जताया। पार्षद ने कहा कि सफाई कार्य के समन्वय में सहयोग करने वाले निगम अधिकारियों, सफाई निरीक्षकों और पर्यवेक्षकों का विशेष धन्यवाद। मौके पर सफाई करने वाले कर्मचारियों, कचरा उठाने वाली टीम और वाहन चालकों ने भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अभियान को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि आज इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को जो स्वच्छता दिखाई दे रही है, उसके पीछे पूरी टीम की मेहनत है। वार्ड 80 की ओर से सफाई कार्य में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का सादर आभार।



सड़क पर कचरा फेंकने वालों पर होगी कार्रवाई, घर तक पहुंचेगा चालान

जयपुर। रामलीला मैदान के पास सेक्टर-5 में कचरा डालने के लिए बनाए गए दो डिपो को बंद करने की तैयारी की जा रही है। वार्ड 123 की पार्षद पूनम आशीष मेहता ने आसपास के निवासियों से अपील की है कि वे अपने घरों में काम करने वाली बाई या नौकर को सड़क पर कचरा फेंकने के लिए न भेजें। पार्षद ने बताया कि क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने और सड़क पर कचरा डालने की समस्या को रोकने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति सड़क पर कचरा फेंकते हुए पकड़ा गया तो उसके खिलाफ चालान की कार्रवाई की जाएगी। निगम कर्मचारी चालान लेकर संबंधित घर पर पहुंचेंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से स्वच्छता अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि डिपो बंद होने से कुछ समय के लिए असुविधा हो सकती है, लेकिन क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है।



कैंडल मार्च निकाला, फांसी की मांग



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. मयंक गोपालिया को मोहम्मद शारुख के द्वारा मारने पर और उसकी मृत्यु हो जाने पर हत्यारों को फांसी की सजा हो उसके लिए सर्व हिन्दू समाज और जायसवाल समाज द्वारा कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च में हेमंत गोपालिया,तरुण जायसवाल,ललित साचोरा ,सुनील शेखावत ,लोकेश जायसवाल,कीर्ति राठौर ,प्रदीप गुप्ता,रामावतार जायसवाल ,अरविन्द जायसवाल, राजेंदर जायसवाल ,करनी सेना व जायसवाल समाज सब लोगो ने मुख्य रूप से साथ दिया ।

विद्यास्थली विधि महाविद्यालय में गरिमापूर्ण ढंग से मनाया संविधान दिवस

भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है: बीएल वर्मा

समाचार जगत न्यूज

जयपुर। दुर्गापुरा स्थित विद्यास्थली विधि महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोटा विश्वविद्यालय, कोटा के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर बी. एल. वर्मा ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर गुप्ता एवं संस्था सचिव डॉ. योगेंद्र सिंह ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान भारतीय संविधान की महत्ता, संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक व्यवस्था, मौलिक अधिकारों एवं नागरिकों के कर्तव्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर बी. एल. वर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व के आदर्शों को प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने विधि के विद्यार्थियों से संविधान की गहन जानकारी प्राप्त कर समाज में न्याय एवं संवैधानिक जागरूकता के प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर गुप्ता ने संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विधि के विद्यार्थियों के लिए संविधान का अध्ययन केवल शैक्षणिक विषय नहीं, बल्कि सामाजिक एवं राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है।संस्था सचिव डॉ. योगेंद्र सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। युवाओं को संविधान में निहित अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में संवैधानिक चेतना, विधिक समझ एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में संविधान के आदर्शों एवं मूल्यों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके पालन का संकल्प लिया गया।

सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए इंस्पेक्टर दिनेश सिंह सम्मानित



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। सड़क सुरक्षा के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान समाज में सकारात्मक संदेश देता है। इसी भावना के साथ जयपुर में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में वरिष्ठ आरटीओ इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। राजस्थान जाट समाज संस्था, सेक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर स्थित जाट ऑफिस में जाट ऑफिसर्स सोशल फोरम की ओर से दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। सेवानिवृत्त आईएएस वी.पी. सिंह की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में आयोजन समिति के सदस्य राजेंद्र खींचड़, संजय राजपाल एवं ईश्वर सिंह बुरड़क मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रादेशिक परिवहन कार्यालय (आटीआओ) जयपुर द्वितीय, विद्याधर नगर में कार्यरत वरिष्ठ आरटीओ इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर मोमेंटो भेंटकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

सफाईकर्मी गीता बाई के निधन पर परिवार को दी आर्थिक सहायता



समाचार जगत न्यूज

जयपुर। वार्ड 48 की सफाईकर्मी स्वर्गीय गीता बाई का कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के चलते निधन हो गया। उनके निधन पर पार्षद सिद्धार्थ तोदवाल ने उनके निवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। पार्षद ने परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान कर हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। पार्षद सिद्धार्थ तोदवाल ने कहा कि सफाईकर्मी केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि वार्ड परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। उनके सम्मान और उनके परिवारों की चिंता करना हमारी जिम्मेदारी है। इस कठिन समय में परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं और हरसंभव सहायता के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार स्वर्गीय गीता बाई के परिवार के एक सदस्य को शीघ्र अनुकंपा नियुक्ति दिलवाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

श्री अर्हंश्री माताजी का मंगल प्रवेश



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. आर्यिका 105 श्री अर्हंश्री, संस्कृत श्री एवं अर्हनश्री माताजी ससंघ का आज नेमीसागर कॉलोनी में मंगल प्रवेश हुआ। श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि इससे पूर्व पूज्य आर्यिका संघ ने श्याम नगर स्थित आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से विहार कर नेमीसागर कालोनी में जुलूस के साथ मंगल प्रवेश किया। जुलूस में समाज के गणमान्य लोग बडी संख्या में उपस्थित थे।

ठाकुरजी की सेवा में आंशिक बदलाव

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. मार्गशीर्ष मास के शुभारंभ और मौसम में बढ़ती ठंड के साथ ही मंदिरों में ठाकुरजी की सेवा में आंशिक बदलाव दिखाई देने लगा है। अब ठाकुरजी को गुनगुने जल से स्नान कराया जा रहा है। भोग में भी गर्म तासीर वाली सामग्री शामिल की जा रही है। सर्दी से बचाव के लिए ठाकुरजी को मोटे कपड़ों की पोशाक धारण कराई जा रही है। श्री सरस निकुंज के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि शीतकालीन सेवा के तहत ठाकुरजी को गुनगुना केसर मिश्रित दूध और गर्म तासीर के मेवे अर्पित किए जा रहे हैं। स्नान, श्रृंगार, भोग और वस्त्रों में मौसम के अनुरूप बदलाव किया जा रहा है। जैसे-जैसे सर्दी बढ़ेगी, वैसे-वैसे सेवा में भी वृद्धि की जाएगी।

वार्ड 38 में स्ट्रीट वेंडर्स के लिए माइक्रो क्रेडिट योजना शुरू

भांकरोटा के तेजाजी चौक में पार्षद गणेश नारायण जाट ने किया शुभारंभ



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। भांकरोटा स्थित तेजाजी चौक में वार्ड 38 के पार्षद गणेश नारायण जाट ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स के लिए विशेष माइक्रो क्रेडिट योजना का शुभारंभ किया। योजना के माध्यम से रेहड़ी-पटरी और ठेला लगाकर रोजगार करने वाले छोटे व्यापारियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। पार्षद जाट ने बताया कि योजना का उद्देश्य छोटे व्यापारियों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि वार्ड के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है, ताकि लोगों को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

पार्षद सरोज भाटी ने शुरू किया जागरूकता अभियान



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। वार्ड 72 को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पार्षद सरोज रमेश भाटी ने स्वच्छता अभियान की शुरुआत की है। अभियान के माध्यम से क्षेत्रवासियों को खुले में शौच नहीं करने, कचरा निर्धारित स्थान पर डालने और अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है। पार्षद सरोज रमेश भाटी ने बताया कि हमारा लक्ष्य वार्ड 72 को जयपुर के सबसे स्वच्छ और सुंदर वार्डों में शामिल करना है। इसके लिए स्वच्छता का संकल्प लेकर एक नई शुरुआत की गई है। यह मुहिम केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि वार्ड के वातावरण को बेहतर बनाने और स्वच्छता को हर व्यक्ति की दैनिक आदत बनाने का प्रयास है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे खुले में शौच न करें, कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें और अपने घर के साथ आसपास के क्षेत्र को भी साफ रखें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। सभी के सामूहिक प्रयासों से वार्ड को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

विधायक कालीचरण सराफ ने किया वार्ड 80 में सीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास

समाचार जगत न्यूज



जयपुर। मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 80 स्थित तिलक नगर पूर्व में सीसी निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक कालीचरण सराफ ने किया। सुंदर मार्ग पर गेट संख्या 04 के पास आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। इसके तहत सुंदर मार्ग, सूर्य मार्ग, बाण मार्ग, मनु मार्ग, ज्ञान मार्ग और दयानंद मार्ग पर सड़क और फुटपाथ के बीच के हिस्से में सीसी निर्माण किया जाएगा। इस कार्य से इन मार्गों पर रोजाना आवागमन करने वाले क्षेत्रवासियों को सुविधा मिलेगी। वार्ड 80 की पार्षद रेनू जितेंद्र चौधरी ने कहा कि क्षेत्रवासियों की सुविधा और वार्ड के विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने निर्माण कार्य में सहयोग और मार्गदर्शन के लिए विधायक कालीचरण सराफ का आभार जताया। शिलान्यास कार्यक्रम में पूर्व पार्षद महेश सैनी, अध्यक्ष पंकज सक्सेना, उपाध्यक्ष डॉ. सरस्वती मित्तल व ज्ञानेश शर्मा, सचिव प्रदीप सौगानी, कोषाध्यक्ष सुधीर विजयवर्गीय, अरुणा गुप्ता, विजय जाजू, अनिल चतुर्वेदी, सचिन मल्होत्रा और अजय धड्डा सहित स्थानीय साथी मौजूद रहे। इसके अलावा कैलाश मीणा, रमेश विजयवर्गीय, राजू चावला, जितेंद्र शर्मा, दलजीत, अशोक शुक्ला, संदीप इत्तन, नितिन भाटिया, विनोद जाटव, विपिन, महेंद्र चौहान, समीर सैनी, अजय जैन, सार्विक और सिद्धांत सहित मंडल पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी भी उपस्थित रहे। पार्षद रेनू जितेंद्र चौधरी ने सभी का आभार जताया।

सागर बून्द समाय

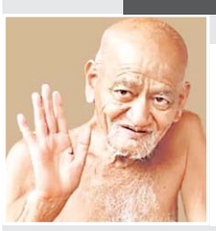

संसार में सभी चीजों का मूल्य हुआ करता है, लेकिन संयम का उपकरण यह पिच्छिका तो अमूल्य हुआ करती है।

■ आचार्य विद्यासागरजी

संपादकीय...

तुर्किये के अंताल्या में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (कॉप-31) वर्ष 2009 के बाद पहली बार बेनतीजा खत्म

ऐसे वक्त में जब जलवायु परिवर्तन का प्रभाव गंभीर रूप से दुनिया भर में दिखाई देने लगा है। कॉप-31 के अब तक के सबसे लंबे जलवायु सम्मेलन का बिना किसी नतीजे के समाप्त हो जाना दुखद है। यहां यह बता दें कि करीब 200 देशों के प्रतिनिधि मंडलों के बीच तय समय से लगभग 48-50 घंटे अधिक बातचीत चलने के बावजूद जीवाश्म ईंधन और जलवायु वित्त जैसे प्रमुख मुद्दों पर मतभेद दूर नहीं हो सकी। सत्रह साल में यह पहली बार है कि जलवायु सम्मेलन बेनतीजा खत्म हो गया। अंतिम मसौदे में जीवाश्म ईंधन का स्पष्ट उल्लेख न होने पर यूरोपीय संघ, जर्मनी और कई द्वीपीय देशों ने विरोध दर्ज किया। वहीं कई गरीब देशों ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से लड़ने के लिए अमीर देशों की ओर से किसी स्पष्ट आर्थिक सहयोग का उल्लेख नहीं किए जाने पर आपत्ति जताई। नतीजन साझा निर्णय पर सहमति नहीं बन पाई क्योंकि विभिन्न पक्षों की सख्त आपत्तियों के बीच समाधान नहीं निकाला जा सका। जाहिर है, यह स्थिति दिखाती है कि जलवायु संकट की गंभीरता के बावजूद देशों के हितों और वैश्विक प्राथमिकताओं के बीच बड़ी खाई बनी हुई है। लेकिन इससे जलवायु परिवर्तन के खतरे कम नहीं होने वाले हैं। लिहाजा मौजूदा परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र को भी जलवायु सम्मेलनों में अपने फैसले लेने के तरीके पर पुनर्विचार करना चाहिए, क्योंकि मौजूदा नीतियों के अनुसार फैसले बहुमत से नहीं, बल्कि सर्वसम्मति से लिए जाते हैं। जिससे अगर कोई देश किसी प्रस्ताव का विरोध कर दे, तो फैसले अटक जाते हैं। ऐसे में जब सामूहिक सहमति बनाने में अवरोध उत्पन्न होता है तो पहले से तय लक्ष्यों को बचाने और द्विपक्षीय या क्षेत्रीय स्तर पर कार्रवाई जारी रखने की चुनौती बढ़ जाती है। सबसे ज्यादा ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जित करने वाले देशों में से एक अमेरिका का जलवायु समझौतों से खुद को अलग कर लेना न्याय संगत नहीं है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में भारत का रुख केवल मांगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह स्वयं भी जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कदम उठा रहा है। भारत का यह तर्क वाजिब है कि ऐतिहासिक प्रदूषण की कीमत विकासशील देशों से वसूलना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। कार्बन बॉर्डर एडजस्ट मेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) जैसे जलवायु संबंधी एकतरफा व्यापार उपाय भी जलवायु कार्रवाई के नाम पर विकासशील देशों के निर्यात और औद्योगिक प्रगति पर अनुचित आर्थिक बोझ डालते हैं। निश्चित रूप से वैश्विक स्तर स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण इस तरह होना चाहिए, जिसमें सभी देशों की परिस्थितियों और क्षमताओं का ख्याल रखा जाए और विकास व पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन भी बना रहे। जलवायु वार्ता कॉप-31 के बेनतीजा रहने पर भारत के जलवायु विशेषज्ञों ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। उनका मानना है कि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक रखने का लक्ष्य हाथ से निकलना चिंताजनक है। पेरिस कॉप में भारत के मुख्य वार्ताकार और इंटरनेशनल सोलर अलायंस के पूर्व महानिदेशक डॉ. अजय माथुर ने कहा कि ऊर्जा के मामले में समझौते का मसौदा सही दिशा की ओर इशारा करता है। इसमें बिजली के इस्तेमाल को बढ़ाने और बिजली ग्रिड को आधुनिक बनाने के लिए एनर्जी ट्रांजिशन के अगले चरण के रूप में मान्यता दी गई है। वित्त के मामले में विकासशील देश अंताल्या में यह जानने आए थे कि पैसा कौन देगा, कितना देगा और किन शर्तों पर देगा। समझौते में अनुच्छेद 9.1 का स्पष्ट उल्लेख और अनुपालन के लिए फाइनेंस जुटाने का रोडमेप दिया गया है। यह वास्तविक प्रगति है। हालांकि इसमें कोई निश्चित रकम तय नहीं की गई है। अनुकूलन फाइनेंस को तीन गुना करने का आधार क्या होगा यह भी नवंबर 2027 तक तय नहीं होगा। क्लाईमेट ट्रेंड्स की निदेशक आरती खोसला ने कहा कि कोई सहमति न बनना दिखाता है कि राजनीतिक इच्छा शक्ति व जवाबदेही की कितनी कमी है। भारत के लिए यह स्थिति समानता और भरोसे से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करती है। इस नतीजे से जलवायु व्यवस्था में पहले से मौजूद असमानता और मजबूत होती है। यहां यह उल्लेखनीय है कि तुर्किये के अंताल्या शहर में आयोजित संयुक्त राष्ट्र का (कॉप-31) रविवार को ऐतिहासिक विफलता के साथ समाप्त हो गया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने सम्मेलन में रचनात्मक प्रयास किए, मगर सहमति नहीं बन सकी।

बेनतीजा खत्म हो जाना बताता है कि जलवायु संकट की चुनौती की गंभीरता को स्वीकार करने के बावजूद दुनिया के देशों के हितों व वैश्विक प्राथमिकताओं के बीच बड़ी खाई बनी हुई है

शहरनामा



इस्तगासे का विश्वसनीय गवाह-1

स्पेशल ट्रिब्यूनल के न्यायाधीशों- बी. जे. दलाल और शीतलाप्रसाद वाजपेयी ने अपने फैसले की भूमिका में ईशानचन्द्र मुकर्जी, एफ. सी. कवेन्ट्री, मगनराज व्यास और सबसे अन्त में पण्डित गोकर्णनाथ मिश्रा द्वारा खवासजी पर मुकदमा दायर करने से पूर्व की गई जांच पड़ताल का ब्यौरा देने के बाद बताया कि बचाव पक्ष को अभियुक्त के विरुद्ध लगाए गए आरोपों का जवाब देने की पूरी सुविधा और अवसर दिया गया। सुनवाही के दौरान एक से अधिक बार आम तौर से यह शिकायत की गई कि बचाव पक्ष को अनेक कठिनाइयां आ रही हैं, लेकिन क्या यह नहीं बताया गया कि ये कठिनाइयां क्या हैं! 'हमें इस बात का पूर्ण संतोष है कि बचाव पक्ष के रास्ते में न अदालत की तरफ से कोई अड़चन डाली गई और न राज की तरफ से। यदि कोई कठिनाई रही भी हो तो वह खवास जी की स्वयं की खड़ी की हुई होगी। कलकत्ता के एक जाने-माने वकील को, जो पिछले जून से खवास जी को सलाह देता रहा था, सुनवाही आरम्भ होने के एक सप्ताह बाद ही हटा दिया गया। एक और काबिल वकील को, जिसने गवाहों से जिरह करने का कठिन काम बड़ी योग्यता से निबटाया था, मुकदमा चलने के दो सप्ताह बाद नहीं रखा गया और जिस वकील ने खवास जी की ओर से मुकदमे की पैरवी की, वह एक भी दिन सुनवाही के दौरान ट्रिब्यूनल के सामने नहीं आया।'

महंगाई : पेकिंग उत्पादों की रेट वही पर घटता वजन



■ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

एक तरफ दैनिक उपभोग की वस्तुओं के भाव लगातार बढ़ रहे हैं तो दूसरी और पांच रुपए का बिस्कुट का पैकेट पांच रुपए में ही बाजार में मिलने पर आम आदमी को सोचने को मजबूर कर देता है। यह केवल बिस्किट के पैकेट की ही बात नहीं है अपितु इस तरह के तय दरों में आने वाली पैकिंग सामग्री के हालात है। दरअसल उत्पादकों ने रणनीति में इस तरह का बदलाव किया है कि आम आदमी मकड़जाल में उलझकर ही रह जाता है। हो यह रहा है कि उत्पादक पैकिंग में वस्तु का वजन घटाकर उपलब्ध कराने लगे हैं इससे एक और उनकी लागत पर कोई असर नहीं पड़ता तो दूसरी और ग्राहकी पर भी कोई फर्क नहीं पड़ता है। आम आदमी जब खरीदारी के लिए गली की विक्रेता के पास जाता है या फिर किसी मॉल या स्टोर पर तो वह देखता है कि पांच रुपए का बिस्किट का पैकेट पांच रुपए में ही मिल रहा है तो 5 रुपए का टेडे-मेडे का पाउच या इसी तरह के अन्य उत्पाद का पाउच उसी रेट में मिल रहा है तो वह यह ध्यान ही नहीं दे पाता कि इसमें उत्पादकों द्वारा किस तरह का खेल उसके साथ किया जा रहा है। होता यह है कि पांच रुपए के पैकेट में पहले आने वाले वजन की तुलना में उत्पादकों द्वारा कम मात्रा में सामग्री रखी जाती है। वजन व साइज घटा दी जाती है और ग्राहक भ्रम में ही रह जाता है। बिस्किट का पैकेट तो एक उदाहरण मात्र है तेल, घी से लेकर शेंपू, साबुन, नमकीन, नूडल्स, पैक्ड आटा, चाय, टूथपेस्ट या इसी तरह की पैकिंग वाली सामग्री में यह नया चलन शुरु हो गया है। देश में आमनागरिकों को निर्माताओं की भ्रम जाल से बचाने के लाख दावे किये जा रहे हो या देष भर में उपभोक्ता न्यायालयों का संजाल फैल गया हो पर निर्माता कोई ना कोई ऐसा रास्ता निकाल ही लेते हैं कि आम नागरिक आसानी से भ्रमित हो जाता है। अब भले ही यह खाद्य सामग्री के पेकिंग को लेकर हो या अन्य कोई रास्ता। आज खाद्य सामग्री के भावों में तेजी के बावजूद पांच-दस या बीस-तीस रुपए की पेकिंग में आने वाले उत्पाद चाहे वह बिस्कुट हो या कुरकुरे, चिप्स, मोगर या कुछ इसी तरह की सामग्री उतने में ही उपलब्ध हो रहे हैं। मजे की बात यह है कि निर्माताओं द्वारा पेकिंग पर मात्रा लिखकर इतिश्री कर दी जाती है तो आम नागरिक समझता है कि पांच रुपए का बिस्कुट का पैकेट पांच रुपए में ही उपलब्ध है। दरअसल देखा जाए तो आम उपभोक्ता पेंकिंग में उपलब्ध सामग्री की मात्रा पर कम ही बल्कि कहा जाए तो ना के बराबर ध्यान देता है। ऐसे में निर्माता यह कह कर इतिश्री कर देते हैं कि उनके द्वारा पेकिंग में उपलब्ध सामग्री का वजन यानी कि मात्रा का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। जबकि निर्माता अपने ब्रॉण्ड या उत्पाद के तयसुदा ग्राहकों को किसी दूसरे ब्राण्ड की और जाने से रोकने के लिए दर नहीं बढ़ाकर वजन कम करने को अधिक सरल उपाय मानकर चलते हैं। आम उपभोक्ताओं को तो पता ही नहीं होता कि पिछली बार खरीदा तब पांच रुपए के पेकिंग वाले बिस्कुट या अन्य सामग्री में कितनी मात्रा थी और अब कितनी रह गई है। सबसे भ्रामक स्थिति तेल घी के पाउचों में देखी जा सकती है। कंपनियों की हौड़ में पता ही नहीं चलता कि किस पैक में कितनी मात्रा में तेल या घी है। इस मार्केटिंग स्ट्रेटेजी को खाद्य तेल के पाउचों को लेकर आसानी से समझा जा सकता है। जब हम किसी मॉल या उपभोक्ता सामग्री के विक्रेता के यहां उपभोक्ता सामग्री खरीदने जाते हैं तो एक लीटर के नाम पर उपलब्ध होने वाले अलग अलग खाद्य तेल ब्रॉण्डों की दरों में अंतर होता है और इस खेल को आम आदमी समझ ही नहीं पाता हैं। कई बार तो ऐसा लगता है कि इतना अंतर कैसे हो सकता है या अमुक ब्रॉण्ड इतना सस्ता कैसे हो सकता है। दर असल इसके पीछे जो खेल होता है वह जागरुक उपभोक्ता के अलावा कम ही लोग समझ पाते हैं। बाजार में पाउच में उपलब्ध होने वाले खाद्य तेल की अलग अलग मात्रा के अनुसार पेकिंग होती है। कोई एक लीटर वाले पाउच में 840 मिली तो कोई 910 या कुछ इसी तरह की मात्रा मे उपलब्ध कराते हैं। यह सब तो तब पता चलता है जब उस पाउच पर लिखे कंटेंट को देखते हैं जिसे देखने की अति समझदार भी कष्ट नहीं करते हैं। दरअसल यह किसी से छुपा नहीं हैं। ऐसे में सरकार को स्पष्ट कर देना चाहिए कि एक लीटर के पाउच में 1000 मिली मात्रा होगी नाकि निर्माता की मन-मर्जी से मात्रा भरकर पाउच पर मात्रा लिख देना पर्याप्त होगा। हांलाकि अब सरकार कदम उठाने जा रही है जिसमें एक लीटर का मतलब एक लीटर का पाउच होना ही होगा। दरअसल आमनागरिकों की भ्रमित होने के यह छोटे छोटे कारण है और मजे की बात यह है कि उपभोक्ता हितों के नाम से संचालित संगठनों या किसी अन्य प्लेटफार्म द्वारा इसको मुखरता से उठाते हुए नहीं देखा जा रहा है। सरकार भी इसलिए नजरअदाज संभवतः इस कारण से कर देती हो सकती है कि महंगाई के खिलाफ मुखर विरोध ना उभर सके। आम नागरिकों में बढ़ती महंगाई के बावजूद यह भ्रम बना रहे कि बिस्कुट पहले भी पांच रुपए का आ रहा था और आज भी पांच रुपये का आ रहा है। इसी तरह से अन्य उत्पादों की बात की जा सकती है। एक और निर्माता अपने ग्राहकों को बांधें रखने में सफल हो जाते हैं वहीं दूसरी और सरकार का हो सकता है कि एक सोच यह भी हो कि इससे महंगाई का शोरगुल अधिक नहीं होगा। रेट बढ़ने के बावजूद पैकिंग का वजन कम करके उसी दर पर उत्पाद को बाजार में लाना एक मार्केटिंग रणनीति हो सकती है पर जनता में उपभोक्ता अधिकारों के प्रति अवेयरनेस होनी ही चाहिए। यदि में निर्माता द्वारा इसमें भी खेल या उपभोक्ता के साथ ठगी की जाती है तो उस पर ध्यान रखा जाना जरुरी हो जाता है। इसके साथ ही उपभोक्ता मंत्रालय और इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी संगठनों को आगे आकर अवेयरनेस कार्यक्रम संचालित किये जाने चाहिए।

(लेखक के निजी विचार है)

शुद्ध पानी की तलाश में कहीं सेहत से समझौता तो नहीं?



■ गोपेश शर्मा
चार्टर्ड इंजीनियर एवं लेखक
@samacharjagat.com

एक प्रतिष्ठित ब्रांड की बोतलबंद पानी के नमूने पर खाद्य सुरक्षा नियामक की कार्रवाई ने शुद्धता के दावों पर उठाए सवाल; प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों की आशंका और आरओ से प्राकृतिक खनिजों की कमी भी चिंता का विषय।

बोतलबंद पानी को शुद्धता की गारंटी मानने वाली धारणा अब सवालों के घेरे में है। प्लास्टिक पैकेजिंग से संभावित रासायनिक जोखिम और आरओ से उपयोगी खनिजों की कमी जैसे पहलू बता रहे हैं कि पानी की शुद्धता का अर्थ केवल अशुद्धियां निकालना नहीं, बल्कि उसके स्वास्थ्य अनुकूल प्राकृतिक गुणों को बनाए रखना भी है।

पानी की बोतल पर लिखा प्रतिष्ठित ब्रांड क्या वास्तव में उसकी शुद्धता की गारंटी है? यह सवाल इन दिनों चर्चा में है। हाल ही में देश के एक प्रतिष्ठित बोतलबंद पानी ब्रांड के गोवा स्थित संयंत्र से लिए गए पानी के नमूने को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने असुरक्षित घोषित करते हुए कंपनी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी है। मामला सितंबर 2025 में लिए गए छह नमूनों की जांच से जुड़ा है। प्रारंभिक जांच में पांच नमूने निर्धारित मानकों पर खरे उतरे, जबकि एक नमूने में ब्रोमेट की मात्रा 12 माइक्रोग्राम प्रति लीटर पाई गई, जो निर्धारित 10 माइक्रोग्राम की सीमा से अधिक थी। कंपनी की अपील के बाद संदर्भ प्रयोगशाला की जांच में ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा के भीतर पाई गई, लेकिन उसी नमूने में पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) की मौजूदगी सामने आई, जिसके आधार पर उसे फिर असुरक्षित घोषित किया गया। दूसरी ओर कंपनी ने स्वतंत्र प्रयोगशाला की जांच का हवाला देते हुए निष्कर्षों पर सवाल उठाए और अपने उत्पादों को सुरक्षित बताया है।

यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि मामला एक विशेष बैच के नमूने से संबंधित है, न कि कंपनी के सभी उत्पादों अथवा बाजार में उपलब्ध समस्त बोतलबंद पानी से। अभियोजन की मंजूरी भी न्यायालय में दोषसिद्धि नहीं है। फिर भी यह घटनाक्रम एक बड़े सवाल को जन्म देता है। जिस बोतलबंद पानी को हम वर्षों से नल के पानी का अधिक सुरक्षित विकल्प मानते आए हैं, क्या उसकी शुद्धता को लेकर हमारा भरोसा पर्याप्त वैज्ञानिक जांच पर आधारित है?

दरअसल, पानी की शुद्धता को लेकर हमारी सोच में एक बड़ा विरोधाभास है। नल के पानी को देखते ही हम उसकी गुणवत्ता पर संदेह करने लगते हैं, जबकि सीलबंद बोतल और प्रतिष्ठित ब्रांड देखकर निश्चिंत हो जाते हैं। शुद्धता का यह भरोसा इतना गहरा हो चुका है कि घरों, कार्यालयों, होटलों, समारोहों और यात्राओं में बोतलबंद पानी हमारी जीवनशैली का सामान्य हिस्सा बन गया है। लेकिन पानी की वास्तविक गुणवत्ता उसकी कीमत, पैकेजिंग या ब्रांड से नहीं, बल्कि वैज्ञानिक परीक्षण से तय होती है।

इस पूरे विषय का एक कम चर्चित पहलू प्लास्टिक की बोतलें भी हैं। आज पानी की अधिकांश बोतलों में पीईटी (पॉलीएथिलीन टेरेफ्थेलेट) प्लास्टिक का इस्तेमाल होता है। पानी को सुरक्षित रखने के लिए इस्तेमाल होने वाली यही पैकेजिंग कुछ परिस्थितियों में अपने आप में जांच का विषय बन सकती है। लंबे समय तक भंडारण, अत्यधिक तापमान, सीधी धूप और भौतिक घर्षण जैसी परिस्थितियों में प्लास्टिक से सूक्ष्म कणों के निकलने की संभावना बढ़ सकती है। वैज्ञानिक अध्ययनों में बोतलबंद पानी में माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक कणों की मौजूदगी भी दर्ज की गई है। कुछ प्लास्टिक पदार्थों से रासायनिक तत्वों का पानी में स्थानांतरण भी संभव है। इन सूक्ष्म कणों का दीर्घकालिक मानव स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है, इस पर अभी निर्णायक वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए इन्हें सीधे कैंसर का कारण बताना उचित नहीं होगा। हालांकि प्लास्टिक में प्रयुक्त कुछ रासायनिक पदार्थों और उनके संभावित स्वास्थ्य प्रभावों को लेकर शोध जारी है। ऐसे में सवाल यह है कि पानी की शुद्धता जांचते समय केवल उसके भीतर मौजूद सूक्ष्मजीवों और रासायनिक तत्वों की जांच पर्याप्त है या उस पैकेजिंग की भी नियमित जांच होनी चाहिए, जिसके संपर्क में पानी लंबे समय तक रहता है? एफएसएसएआई की एक जनवरी 2026 से प्रभावी परीक्षण योजना में बोतलों और ढक्कनों जैसी पैकेजिंग सामग्री से होने वाले रासायनिक स्थानांतरण की जांच का भी प्रावधान है। इसका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करना जरूरी है।

दूसरी ओर, शुद्धता की तलाश में हमने अपने घरों में आरओ तकनीक को लगभग अनिवार्य आवश्यकता बना दिया है। लेकिन क्या कभी हमने सोचा कि पानी से अवांछित तत्वों को

बोतलबंद पानी की शुद्धता के दावों पर जांच ने खड़े किए सवाल

निकालने के साथ उसमें मौजूद उपयोगी प्राकृतिक खनिजों का क्या होता है? रिवर्स ऑस्मोसिस तकनीक पानी में घुले अनेक अवांछित लवणों और संदूषकों को हटाने में प्रभावी है, लेकिन इसके साथ कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे उपयोगी खनिजों की मात्रा भी काफी कम हो सकती है। ये खनिज हड्डियों, मांसपेशियों और शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में भी अत्यधिक खनिज-विहीन पानी के नियमित सेवन और पेयजल से मिलने वाले कैल्शियम तथा मैग्नीशियम के योगदान पर चर्चा की गई है।

इसका अर्थ यह नहीं कि आरओ का पानी अनिवार्य रूप से स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। समस्या तब पैदा होती है जब पानी की वास्तविक गुणवत्ता जाने बिना हर जगह आरओ लगा दिया जाता है और उसके बाद पानी में बचे खनिजों की मात्रा की अनदेखी की जाती है। केवल टीडीएस मीटर से मिलने वाला एक आंकड़ा भी पानी की संपूर्ण शुद्धता या उसमें मौजूद उपयोगी खनिजों की वास्तविक संरचना नहीं बताता। इसलिए पानी की वैज्ञानिक जांच के आधार पर ही शुद्धिकरण तकनीक का चुनाव होना चाहिए। जहां आरओ आवश्यक हो, वहां उपयुक्त री-मिनरलाइजेशन व्यवस्था अपनाई जा सकती है, जिससे शुद्धिकरण के बाद पानी में आवश्यक खनिजों की उपयुक्त मात्रा बनाए रखने में मदद मिले।

यहां एक बुनियादी अंतर समझना भी जरूरी है। पानी में घुले सभी तत्व अशुद्धियां नहीं होते। कुछ तत्व स्वास्थ्य के लिए उपयोगी होते हैं, जबकि आर्सेनिक, सीसा, नाइट्रेट और अन्य हानिकारक संदूषक निर्धारित सीमा से अधिक होने पर गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकते हैं। इसलिए अधिक टीडीएस का अर्थ हमेशा अधिक प्रदूषण और कम टीडीएस का अर्थ हमेशा बेहतर पानी नहीं है। पानी की गुणवत्ता का मूल्यांकन उसकी रासायनिक, भौतिक और सूक्ष्मजीवी विशेषताओं के समग्र परीक्षण से ही संभव है।

दूसरी तरफ नल के पानी को भी केवल इस आधार पर असुरक्षित नहीं माना जा सकता कि वह बोतलबंद नहीं है। यदि नगर निकाय द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा पानी निर्धारित मानकों के अनुरूप शोधित और नियमित जांच से प्रमाणित है तो वह सुरक्षित पेयजल का अच्छा विकल्प हो सकता है। हालांकि पुरानी पाइपलाइन, सीवरेज का रिसाव, जलापूर्ति व्यवस्था में खराबी और स्थानीय भूजल प्रदूषण उसकी गुणवत्ता प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए जलापूर्ति करने वाली एजेंसियों को स्रोत से लेकर उपभोक्ता के घर तक पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी।

इस दिशा में सरकार और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है। अक्टूबर 2024 में पैकेज्ड पेयजल और मिनरल वाटर के लिए अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन चिह्न की शर्त हटाए जाने के बाद एफएसएसएआई ने इनके लिए अलग परीक्षण योजना लागू की, जो एक जनवरी 2026 से प्रभावी है। ऐसे में नियमित नमूना जांच, स्वतंत्र प्रयोगशालाओं की भूमिका और गुणवत्ता संबंधी रिपोर्ट की पारदर्शिता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। अलग-अलग ब्रांडों और उत्पादन इकाइयों से अचानक नमूने लेकर जांच की जाए तथा किसी बैच में गड़बड़ी मिलने पर उसकी बिक्री रोकने और उपभोक्ताओं को सूचित करने की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए।

समाधान के स्तर पर हमें अपनी जीवनशैली में भी कुछ व्यावहारिक बदलाव करने होंगे। पानी की बोतलें खरीदते समय उनकी सील, निर्माण और समाप्ति तिथि तथा भंडारण की परिस्थितियों पर ध्यान देना चाहिए। धूप या अत्यधिक गर्मी में रखी बोतलों से बचना चाहिए। घर और कार्यालय में पीने के पानी के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले स्टील या कांच के बर्तनों को प्राथमिकता दी जा सकती है। प्लास्टिक की एकल-उपयोग वाली बोतलों का बार-बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। जहां सुरक्षित सार्वजनिक पेयजल उपलब्ध हो, वहां स्वच्छ रिफिल स्टेशन और वाटर डिस्पेंसर को बढ़ावा देना चाहिए। इसी तरह आरओ लगवाने से पहले पानी की जांच और उसके बाद समय-समय पर सर्विसिंग को भी आवश्यक व्यवहार बनाना होगा। वास्तव में पानी की शुद्धता का प्रश्न किसी एक कंपनी, तकनीक या जल स्रोत तक सीमित नहीं है। यह उपभोक्ता के स्वास्थ्य, पर्यावरण और सार्वजनिक जवाबदेही से जुड़ा विषय है। हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए जहां कंपनियां गुणवत्ता के प्रति जवाबदेह हों, नियामक संस्थाएं निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करें तथा नागरिक भी जागरूक होकर पानी का चुनाव करें।

आखिर शुद्ध पानी वह नहीं जिसमें हर चीज निकाल दी गई हो, बल्कि वह है जिसमें हानिकारक तत्व निर्धारित सीमा के भीतर हों, आवश्यक प्राकृतिक गुण सुरक्षित रहें और जिसकी गुणवत्ता वैज्ञानिक जांच से प्रमाणित हो। पानी की बोतल पर लिखा ब्रांड भरोसा दिला सकता है, आरओ मशीन शुद्धिकरण का दावा कर सकती है, लेकिन वास्तविक सुरक्षा का प्रमाण केवल वैज्ञानिक जांच और जिम्मेदार व्यवस्था ही दे सकती है।

(लेखक के निजी विचार है)

करुणा, विवेक और न्याय हैं अहिंसा के मूलमंत्रः श्री श्री आनन्दमूर्ति

■ दिव्यचेतनानन्द अवधूत

एक बार एक बार एक शिष्य ने प्रश्न किया, 'बाबा, क्या अपनी बातों से किसी को दुख पहुंचाते हैं तो वह भी हिंसा है?' वैदिक काल के बाद भारत में अहिंसा की एक ऐसी धारणा प्रचलित हुई, जिसका प्रभाव लंबे समय तक समाज पर रहा। इस धारणा के कारण सामान्य जनजीवन कठिन और कष्टपूर्ण हो गया। लोगों के मन में ऐसे धर्म के प्रति भय पैदा होने लगा, जिसमें अहिंसा के नाम पर जीवन की स्वाभाविक गतिविधियों और कर्तव्यों पर भी रोक लगाई जा रही थी। परिणामस्वरूप, अनेक लोग धर्म और सदाचार के मार्ग से दूर होने लगे। कुछ लोगों ने किसी नैतिक आचरण या सामाजिक जिम्मेदारी की परवाह किए बिना केवल अपने स्वार्थ को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया। इससे समाज में अव्यवस्था बढ़ी। दूसरी ओर, अहिंसा को गलत ढंग से लागू करने वाले लोग इतने निष्क्रिय और अव्यावहारिक हो गए कि वे अन्याय और बुराई का विरोध करने की क्षमता भी खो बैठे। इसलिए आज आवश्यकता है कि हम अहिंसा के वास्तविक अर्थ को नए दृष्टिकोण से समझें।

इसके बाद अहिंसा की एक दूसरी व्याख्या सामने आई। इसके अनुसार, किसी जीव को पीड़ा पहुँचाना हिंसा है, लेकिन भोजन के लिए पशुओं का वध करना हिंसा नहीं माना गया। यह विचार भी उचित नहीं है। यदि किसी जीव को कष्ट पहुँचाना हिंसा है, तो भोजन के लिए किसी पशु की हत्या करना भी हिंसा ही है। कोई भी पशु अपनी इच्छा से मृत्यु को स्वीकार नहीं करता। वह भी जीना चाहता है और अपने प्राणों की रक्षा करना चाहता है। इसलिए केवल भोजन की आवश्यकता बताकर पशु-वध को अहिंसा नहीं कहा जा सकता। बाद के समय में अहिंसा की एक और परिभाषा प्रचलित हुई। इसके अनुसार अहिंसा का अर्थ है किसी पर बल प्रयोग न करना या पूरी तरह हिंसा से दूर रहना। यह व्याख्या भी अधूरी और भ्रामक है। जीवन का विकास संघर्ष और प्रयास के माध्यम से होता है। मनुष्य को अपने जीवन में अनेक बाधाओं और विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इनका मुकाबला करने के लिए शक्ति और साहस की आवश्यकता होती है। यदि मनुष्य अपनी शक्ति का विकास ही न करे, तो उसका जीवन नीरस, कमजोर और निष्क्रिय हो जाएगा। इसलिए हर परिस्थिति में बल प्रयोग को गलत मानना बुद्धिमानी नहीं है।

वास्तव में, अहिंसा और बल प्रयोग को एक-दूसरे का विरोधी मानना भी उचित नहीं है। उदाहरण के लिए, यदि कोई शक्तिशाली देश किसी दूसरे देश पर अधिकार कर ले, तो पराधीन देश के लोगों को अपनी स्वतंत्रता वापस पाने के लिए संघर्ष करना ही होगा। इस संघर्ष में शारीरिक या मानसिक बल का प्रयोग हो सकता है। इसी प्रकार, अन्याय के विरोध में बहिष्कार आंदोलन चलाना भी दूसरे पक्ष पर दबाव डालने का एक तरीका है। यदि किसी को हाथ से चोट पहुँचाना हिंसा है, तो किसी अन्य माध्यम से उसे जानबूझकर कष्ट पहुँचाना भी हिंसा ही माना जाएगा। इसलिए केवल अहिंसा का नाम लेकर अपने कार्यों को उचित ठहराना पाखंड है। किसी भी देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना और पुलिस की आवश्यकता होती है। यदि ये संस्थाएँ जरूरत पड़ने पर भी शक्ति का प्रयोग न करें, तो उनका उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। केवल बंदूक पर अहिंसा का प्रतीक लगा देने से उसकी गोली अहिंसक नहीं हो जाती। असली बात यह है कि शक्ति का प्रयोग किस उद्देश्य से और किन परिस्थितियों में किया जा रहा है।

जो लोग अन्याय और बुराई का सामना करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी शक्ति और सामर्थ्य बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। जब उनमें विरोध करने की क्षमता विकसित हो जाए, तब उन्हें उसका उचित उपयोग करना चाहिए। कमजोरी के कारण अन्याय का विरोध न कर पाना और फिर स्वयं को अहिंसक घोषित कर देना सच्ची अहिंसा नहीं है। धर्म और न्याय की रक्षा के लिए साहस, शक्ति और सही निर्णय लेने की क्षमता भी आवश्यक है।

साधना के क्षेत्र में अहिंसा का अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक और गहरा है। इसका वास्तविक आशय है कि हमारे विचारों और कार्यों से किसी को जानबूझकर कष्ट न पहुँचे और किसी के साथ अन्याय न हो। किसी को नुकसान पहुँचाने की भावना से किया गया कोई भी कार्य हिंसा है। लेकिन जीवन की कुछ ऐसी प्रक्रियाएँ हैं, जिनमें अनजाने में दूसरे जीवों का नाश हो जाता है।

उदाहरण के लिए, साँस लेते समय असंख्य सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं। इसी तरह रोगों से बचने के लिए दवाओं और कीटाणुनाशक पदार्थों का प्रयोग करने से अनेक हानिकारक जीवाणु मर जाते हैं। खेती को बचाने के लिए फसलों को नुकसान पहुँचाने वाले कीड़े-मकोड़ों को भी नियंत्रित करना पड़ता है। मच्छर, खटमल, परजीवी और अन्य हानिकारक जीव भी कई बार मानव जीवन की रक्षा और स्वास्थ्य के लिए नष्ट करने पड़ते हैं। इन कार्यों का उद्देश्य किसी जीव को कष्ट पहुँचाना नहीं, बल्कि अपने जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा करना होता है। इसलिए इन्हें जानबूझकर की गई हिंसा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

अहिंसा का अर्थ न तो हर परिस्थिति में निष्क्रिय बने रहना है और न ही अपनी रक्षा तथा न्याय की स्थापना के लिए आवश्यक शक्ति का त्याग करना। सच्ची अहिंसा का आधार है सद्भावना, करुणा, विवेक और न्याय। हमें किसी को अनावश्यक कष्ट नहीं पहुँचाना चाहिए, लेकिन अन्याय और बुराई के सामने कमजोर बनकर भी नहीं रहना चाहिए। यही अहिंसा का संतुलित, व्यावहारिक और वास्तविक स्वरूप है।

(लेखक के निजी विचार है)

भूजल संकट से खतरे में है नदियों का अस्तित्व

■ बाल मुकुन्द ओझा

जीवनदायी नदियों के बारे में समय समय पर जो सूचनाएं मिलती है वे हमारे लिए हितकर नहीं है। कहीं पर्याप्त वर्षा न होने से नदियां सूखती जा रही है तो कहीं मानव जनित कारणों से नदिया बर्बाद हो रही है। नदियों का सही रख रखाव नहीं होने, भूजल प्रवाह में गिरावट और दुनियाभर की गंदगी, कूड़ा करकट प्रवाहित करने से नदियों की स्थिति निश्चय ही बेहद चिंताजनक है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक हालिया अध्ययन के अनुसार, 1961 से 2021 तक के 6 दशकों में भारत की 18 प्रमुख नदी घाटियों के 227 निगरानी केंद्रों के आंकड़ों के विश्लेषण में पाया गया कि लगभग 30 प्रतिशत केंद्रों पर भूजल प्रवाह में उल्लेखनीय गिर

वर्ष 2030 तक 300 से 500 अरब डॉलर की होगी भारत की चक्रीय अर्थव्यवस्था : सीआईआई



नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो। भारत की चक्रीय अर्थव्यवस्था का बाजार आकार वर्ष 2030 तक 300 से 500 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। कचरे से उपयोगी उत्पाद बनाने पर सरकार के बढ़ते जोर और महत्वपूर्ण खनिजों के पुनः उपयोग की जरूरत से इस क्षेत्र को गति मिलने की उम्मीद है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की अपशिष्ट से मूल्य प्रौद्योगिकी समिति के अध्यक्ष एवं री-सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और ग्रुप सीईओ मसूद मलिक ने यह अनुमान जताया। एक विशेष बातचीत में मलिक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार में चक्रीय अर्थव्यवस्था और अपशिष्ट प्रबंधन उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उनके अनुसार, वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र का बाजार 300 से 500 अरब डॉलर के बीच हो सकता है।

महत्वपूर्ण खनिजों के पुनः उपयोग पर जोर : मलिक ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों में महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता और आपूर्ति श्रृंखला एक बड़ा मुद्दा बन गई है। इन खनिजों को केवल औद्योगिक कच्चे माल के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक संसाधन के रूप में भी देखा जा रहा है। ऐसे में आयातित संसाधनों का अधिकतम उपयोग और उनका बार-बार पुनर्चक्रण करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कचरे को बेकार सामग्री मानने के बजाय द्वितीयक उत्पाद के रूप में देखना चाहिए। इसके लिए ऐसी व्यवस्थाएं विकसित करनी होंगी, जिनसे इस्तेमाल की गई सामग्री को दोबारा उपयोगी उत्पाद में बदला जा सके। इससे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा और आयात पर निर्भरता घटाने में भी मदद मिलेगी।

रोजगार के साथ पर्यावरण संरक्षण : मलिक के मुताबिक, चक्रीय अर्थव्यवस्था और अपशिष्ट प्रबंधन उद्योग अभी शुरुआती चरण में हैं। इन्हें जल्द बड़े स्तर पर विकसित करने की जरूरत है। यदि कचरे का उचित संग्रह और प्रसंस्करण नहीं किया जाता, तो वह प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का कारण बनता है। इसके विपरीत, पुनर्चक्रण से आर्थिक मूल्य पैदा करने के साथ बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी विकसित हो सकते हैं। उन्होंने विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया। उनका कहना है कि केवल कानूनों के माध्यम से इस उद्योग को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। पुनर्चक्रण की लागत को देखते हुए आर्थिक प्रोत्साहन और ग्रीन क्रेडिट जैसी योजनाओं को मजबूत करना जरूरी है। मलिक ने कहा कि कार्बन, पानी और प्लास्टिक क्रेडिट जैसी योजनाएं पुनर्चक्रण की अतिरिक्त लागत को पूरा करने में मदद करती हैं। हालांकि, रोजगार सृजन, पर्यावरण सुधार और देश की आत्मनिर्भरता जैसे लाभों का भी आर्थिक मूल्यांकन होना चाहिए। टिकाऊ उत्पादों को मिले कर में राहत : मलिक ने उपभोक्ताओं को टिकाऊ उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक इस्तेमाल किए जा सकने वाले उत्पादों की कीमत और कर का बोझ कम होना चाहिए, जबकि जल्दी खराब होने वाले उत्पादों पर अधिक लागत लगाई जा सकती है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई कंपनी पांच साल तक चलने वाला मोबाइल फोन बनाती है, तो उसे कर में राहत मिलनी चाहिए। वहीं, बार-बार नया फोन खरीदने की जरूरत पैदा करने वाले उत्पादों पर अतिरिक्त लागत लगाई जा सकती है।

न्यूज गैलरी

वॉलमार्ट के हॉलिडे गिफ्टिंग और लाइफस्टाइल ऑफरिंग्स में शामिल हुए भारतीय ब्रांड्स



नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो। अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में हॉलिडे सीजन की तैयारियों के बीच भारतीय ब्रांड्स और निर्माताओं के उत्पाद वॉलमार्ट के गिफ्टिंग, होम और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट असॉर्टमेंट का हिस्सा बने हैं। फ्रेगरेंस, चाय, आभूषण, होम टेक्सटाइल्स और लेदर एक्सेसरीज सहित कई श्रेणियों के भारतीय उत्पाद अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं। वॉलमार्ट एंड सैम्स क्लब के एसवीपी अवनीश गुप्ता ने कहा कि भारत वैश्विक सप्लाई चेन में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता, प्रतिभा और इनोवेशन के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। वहीं, वॉलमार्ट मार्केटप्लेस के इंडिया हेड अशिन मैथ्यू ने कहा कि भारतीय विक्रेताओं को अपने ब्रांड और उत्पाद अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुंचाने का बेहतर अवसर मिल रहा है। इस पहल में नई दिल्ली के बेलाविटा लक्जरी के फ्रेगरेंस, बेंगलुरु के मैजेस्टिक प्योर और बोटैनिक हार्थ के पर्सनल केयर उत्पाद तथा वाहदम की चाय शामिल हैं। जयपुर का रोजेक ज्वेल्स प्रयोगशाला में तैयार हीरों से बने आभूषण, एंगेजमेंट रिंग और ब्राइडल सेट उपलब्ध करा रहा है। आगरा का ले-काला 925 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी की रेंज पेश कर रहा है। इसके अलावा उदयपुर का कोमल्स पैशन लेदर क्रॉसबॉडी, लैपटॉप, मैसेंजर और डफल बैग उपलब्ध करा रहा है। नई दिल्ली का सॉलिटेयर ज्वेल्स भी डायमंड वेडिंग रिंग्स की रेंज पेश कर रहा है। ये उत्पाद Walmart.com के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं। इससे भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजार में अपनी पहचान मजबूत करने और कारोबार के नए अवसर हासिल करने में मदद मिल रही है।

स्टर्लिंग हॉस्पिटल्स में रोबोटिक सर्जरी से दुर्लभ कैंसर का सफल उपचार

अहमदाबाद, समाचार जगत ब्यूरो। स्टर्लिंग हॉस्पिटल्स, अहमदाबाद में उन्नत रोबोटिक तकनीक से 33 वर्षीय महिला के दुर्लभ स्टेज-IV न्यूरोएंडोक्राइन कैंसर का सफल उपचार किया गया। अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार एवं रोबोटिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी प्रमुख डॉ. नितिन सिंघल ने एक ही सर्जरी में महिला की छोटी आंत से कई ट्यूमर और लिवर में फैले कैंसर के ट्यूमर को निकाल दिया। डॉ. सिंघल ने बताया कि कैंसर छोटी आंत के कई हिस्सों से लिवर तक फैल चुका था। पारंपरिक ओपन सर्जरी में बड़े चीरे की आवश्यकता होती, जिससे रक्तस्राव और अन्य जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता था। रोबोटिक तकनीक की मदद से दोनों स्थानों पर ट्यूमर को अधिक सटीकता से निकालना संभव हुआ। इससे सर्जरी के दौरान शरीर को होने वाले नुकसान को कम रखने में मदद मिली। अस्पताल के अनुसार, आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सा कौशल के समन्वय से जटिल कैंसर के मामलों में उपचार की नई संभावनाएं विकसित हो रही हैं।

भारत में पहली बार ड्यूल-कंसोल तकनीक से रोबोटिक बाईपास सर्जरी

नई दिल्ली, स.जगत ब्यूरो। गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में स्वदेशी एसएसआई मंत्रा रोबोटिक सिस्टम की मदद से दुनिया की पहली ड्यूल-कंसोल, पांच रोबोटिक आर्म वाली बीटिंग-हार्ट रोबोटिक बाईपास सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। इसमें मरीज का दिल लगातार धड़कता रहा और हार्ट-लंग मशीन का इस्तेमाल नहीं हुआ।

आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस ने जयपुर में खोली नई शाखा, राजस्थान में 21 हुईं शाखाएं

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड की सहायक कंपनी आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल) ने जयपुर में नई शाखा शुरू कर राजस्थान में अपने कारोबार का विस्तार किया है। इसके साथ ही राज्य में कंपनी की कुल शाखाओं की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। कंपनी का उद्देश्य अपने वितरण नेटवर्क को मजबूत कर ग्राहकों तक आवास ऋण सुविधाएं पहुंचाना है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पंकज गाडगिल ने कहा कि राजस्थान कंपनी के लिए महत्वपूर्ण विकास बाजार है। बढ़ती आवासीय मांग और लोगों की घर खरीदने की आकांक्षाओं को देखते हुए कंपनी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है। डिजिटल सुविधाओं और स्थानीय नेटवर्क के माध्यम से ग्राहकों के लिए होम लोन की प्रक्रिया सरल और तेज बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जयपुर में जगतपुरा, अजमेर रोड, मानसरोवर एक्सटेंशन और टोंक रोड जैसे क्षेत्रों में तेजी से आवासीय विकास हो रहा है। इससे पहली बार घर खरीदने वाले परिवारों सहित विभिन्न आय वर्ग के लोगों के लिए आवास वित्तपोषण की मांग बढ़ी है। एबीएचएफएल वेतनभोगी कर्मचारियों, कारोबारियों और प्रोफेशनल्स के लिए अफोर्डेबल एवं प्रीमियम हाउसिंग लोन, कंस्ट्रक्शन फाइनेंस और प्रॉपर्टी पर लोन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराती है। नई शाखा के शुभारंभ पर कंपनी ने विशेष लॉन्च ऑफर भी पेश किया है। इसके तहत ग्राहकों को जीरो लॉगिन फीस के साथ 50 लाख रुपये तक के लोन की मौके पर ही मंजूरी की सुविधा दी जाएगी।

नौकरी तलाशना और भर्ती प्रक्रिया होगी आसान

ग्लासडोर अब इनडीड का हिस्सा

भारत, समाचार जगत ब्यूरो। जॉब सर्च प्लेटफॉर्म ग्लासडोर अब आधिकारिक रूप से इनडीड का हिस्सा बन गया है। दोनों कंपनियों के एकीकरण का उद्देश्य नौकरी तलाशने वालों और एम्प्लॉयर्स के अनुभव को बेहतर और आसान बनाना है। ग्लासडोर कंपनियों की कार्यसंस्कृति और कर्मचारियों के अनुभवों की जानकारी देता है, जबकि इनडीड नौकरी के अवसरों और उम्मीदवारों को जोड़ता है।

एम्प्लॉयर्स को मिलेगा एक लॉगइन

अब कंपनियां एक ही लॉगइन से दोनों प्लेटफॉर्म एक्सेस कर सकेंगी। उन्हें अलग-अलग अकाउंट और टूल्स मैनेज करने की जरूरत कम होगी। इसके अलावा जॉब लिस्टिंग दोनों प्लेटफॉर्म पर दिखाई देंगी और उम्मीदवारों की तलाश भी आसान होगी।

जॉब सीकर्स को मिलेंगे बेहतर अवसर

नौकरी तलाशने वाले एक ही लॉगइन से दोनों वेबसाइट का इस्तेमाल कर सकेंगे। एक प्लेटफॉर्म पर साझा की गई जानकारी से दूसरे प्लेटफॉर्म पर उनका अनुभव बेहतर बनाया जाएगा। ग्लासडोर पर गुमनाम रूप से किए गए रिव्यू और बातचीत उनके प्रोफाइल से लिंक नहीं होंगे।

खबरें जरा हटके

कोच में पहुंचा तो थे सिर्फ 52 बर्थ! यात्री बोला- ये कैसे हो सकता है?

यात्री बोला- ये कैसे हो सकता है?

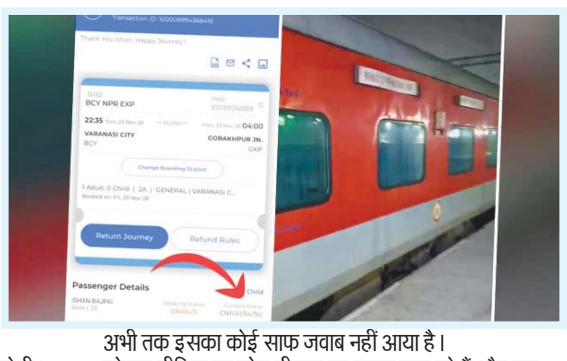

रेलवे में एक ऐसा गजब का मामला सामने आया है, जिसे सुनकर हर यात्री हैरान है। वाराणसी के ईशान बाजपेयी को रात में ट्रेन से जाना था। उन्होंने ट्रेन नंबर 15132 BCY NPR एक्सप्रेस में टिकट लिया था। उन्हें वाराणसी सिटी से गोरखपुर तक जाना था। टिकट कंफर्म था, लेकिन कोच में घुसते ही जो हुआ, वो शॉकिंग है। रेलवे में ऐसा भी होता है, ये सोचकर ही डर लगता है!

टिकट पर लिखा था- CNF/A1/54/SU। मतलब, A1 कोच में 54 नंबर की साइड अपर बर्थ कंफर्म है। ईशान रात 10 :45 बजे खुशी-खुशी ट्रेन में चढ़े, लेकिन कोच के अंदर पहुंचते ही उनके होश उड़ गए।

हुआ यूं कि ईशान ने पूरा कोच घूम लिया, लेकिन उन्हें 54 नंबर की बर्थ कहीं मिली ही नहीं। क्योंकि AC 2-Tier के उस A1 कोच में कुल सिर्फ 52 बर्थ ही थीं।

फिर क्या था? ईशान ने फौरन वीडियो बनाकर X (पहले ट्विटर) पर डाल दिया और रेलवे से पूछा, मेरी कंफर्म सीट कहां गई? रात 10 :45 बजे मैं कहां जाऊंगा? ये कैसे हो सकता है? उन्होंने 139 पर शिकायत भी की।

रेलवे ने क्या दिया जवाब?

इसके बाद Railway Seva ने जवाब दिया और कहा कि उनकी शिकायत आगे भेज दी गई है। साथ ही कहा कि वे TTE से मिलें, उनके पास सही सीट मैपिंग होगी। अब सवाल ये है कि जब कोच में 52 ही बर्थ हैं, तो सिस्टम ने 54 नंबर की बर्थ अलॉट कैसे कर दी? हालांकि, रेलवे की तरफ से अभी तक इसका कोई साफ जवाब नहीं आया है।

सोशल मीडिया पर लोग भी इस पर गुस्सा जता रहे हैं और कह रहे हैं कि कंफर्म टिकट के बाद भी अगर ऐसा होगा तो आम आदमी किस पर भरोसा करेगा?

बिजली घर के लिए चल रही थी खुदाई, अचानक आई ठन की आवाज

अंदर मिला 2200 साल पुराना खजाना

नई दिल्ली : पश्चिमी हंगरी में एक बिजली सबस्टेशन के निर्माण से पहले जमीन की खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान जांच में जुटे आर्कियोलॉजिस्ट्स के मेटल डिटेक्टर ने जमीन से महज 16 इंच यानी 40 सेंटीमीटर नीचे धातु होने का संकेत दिया। मिट्टी हटाने पर वहां एक छोटा सिरेमिक बर्तन दबा मिला, जिसके भीतर 2200 साल पुराने 200 से ज्यादा सेल्टिक चांदी के सिक्के भरे थे। पावर कंपनी ई-ऑन के बयान के मुताबिक साल 2023 से 2025 के बीच हुई इस खुदाई में मिले खजाने का कुल वजन करीब 2 किलोग्राम है। आज के बाजार में केवल कच्ची चांदी के रूप में इसकी कीमत 2000 डॉलर यानी करीब 1 ।86 लाख रुपये से ज्यादा है।

दुर्लभता और ऐतिहासिक महत्व के कारण इस खजाने को अनमोल माना जा रहा है। हंगरी में 1960 के दशक के बाद यह अपनी तरह की सबसे बड़ी खोज है।

खेत की जुताई से कैसे मिला 2200 साल पुराने इस दुर्लभ खजाने का सुराग?

जिस जगह पर बिजली सबस्टेशन बनाया जाना था, वह इलाका कभी खेती के लिए इस्तेमाल होता था। पावर कंपनी ई-ऑन के अनुसार बीते दशकों में खेत की जुताई के दौरान यहां कई बार अलग-अलग सिक्के ऊपर आ चुके थे। इसी वजह से निर्माण कार्य शुरू होने से पहले आर्कियोलॉजिस्ट्स की टीम ने पूरे इलाके की गहराई से जांच शुरू की।

शुरुआती खुदाई में टीम को कुछ बिखरे हुए सिक्के मिले, जिसके बाद उन्होंने मेटल डिटेक्टर की मदद ली। इसी सर्च ऑपरेशन के दौरान टीम उस छोटे सिरेमिक बर्तन तक पहुंच गई जिसमें पूरा खजाना सुरक्षित रखा था।

यह खजाना दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के अंत से लेकर पहली शताब्दी ईसा पूर्व की शुरुआत के बीच का माना जा रहा है।

हंगरी के नेशनल आर्कियोलॉजिकल इंस्टीट्यूट की आर्कियोलॉजिस्ट एस्टर क्रेइटर ने कहा, 'यूरोप में ऐसी खोज बेहद दुर्लभ है।' उन्होंने जानकारी दी कि हंगरी में इस तरह का पिछला बड़ा खजाना आखिरी बार 1960 के दशक के आखिर में मिला था।

ग्रीक सिक्कों की नकल क्यों थे ये वेलेम सिक्के और इन पर क्या छपा है?

खुदाई में मिले ये चांदी के सिक्के प्राचीन ग्रीक टेट्राड्रैक्म सिक्कों की तर्ज पर बनाए गए थे। टेट्राड्रैक्म एक बेहद शुरुआती और बड़े आकार का चांदी का सिक्का था, जिसे छठी शताब्दी ईसा पूर्व के अंत में शुरू किया गया था।

सेल्टिक लोगों की ओर से बनाई गई इन नकल को वेलेम टाइप के सिक्के कहा जाता है। इनका नाम वेलेम-सेंट विड नामक एक किलेबंद सेल्टिक पहाड़ी बस्ती के नाम पर रखा गया है। यह बस्ती खुदाई वाली जगह से करीब 15 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है और वहां से भी इसी तरह के सिक्के मिल चुके हैं।

इन सभी सिक्कों की बनावट बेहद खास है। हर सिक्के के एक तरफ एक खास अंदाज में बना सिर दिखाई देता है, जो संभवत: ग्रीक देवता अपोलो का चित्र है। वहीं सिक्के के दूसरी तरफ हेलमेट पहने एक घुड़सवार और घोड़े की आकृति उकेरी गई है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एमेरिटस और सिक्कों के जानकार क्रिस्टोफर हॉगेगो ने जर्नल ऑफ रोमन स्टडीज में इस परंपरा पर रोशनी डाली है। उनके मुताबिक कार्पेथियन बेसिन यानी आज के हंगरी और रोमानिया में रहने वाले सेल्टिक कबीलों ने अपने खुद के चांदी के सिक्के ढालना शुरू किया था।

दरअसल सेल्टिक भाड़े के सैनिकों ने ग्रीस और मैसेडोनिया की सेनाओं में काम करते वक्त इन ग्रीक सिक्कों को देखा था। इसके बाद उन्होंने क्लासिकल ग्रीक तस्वीरों में अपने खास सेल्टिक डिजाइन मिलाकर नए सिक्के बनाए।

हॉगेगो के अनुसार इन सिक्कों की कीमत बहुत ज्यादा होती थी, इसलिए इनका इस्तेमाल रोजमर्रा की खरीदारी में शायद ही कभी किया जाता था। लोग इन्हें अपनी संपत्ति के तौर पर जमा करके रखते थे या धार्मिक अनुष्ठानों में चढ़ावे के रूप में जमीन में दबा देते थे।



सिक्कों के साथ 7000 साल पुराने इतिहास और रोमन विला के क्या सबूत मिले?

इस साइट पर हुई खुदाई से पता चला है कि यहां 7000 साल से भी ज्यादा समय तक इंसानी बस्ती रही है। अधिकारियों के बयान के अनुसार टीम को यहां से लकड़ी के काम में इस्तेमाल होने वाली पत्थर की एक पॉलिश की हुई छेनी मिली है, जो करीब 7000 साल पुरानी है। इसके अलावा खुदाई में मोर की आंख के पैटर्न वाला एक कांच का मोती भी मिला है। जानकारों का मानना है कि यह मोती छठी या सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व के किसी गहने का हिस्सा रहा होगा।

एस्टर क्रेइटर ने बताया कि सिक्कों को दबाए जाने के कई सदियों बाद ठीक इसी जगह पर रोमन काल का एक विला बनाया गया था। हैरानी की बात यह है कि उस निर्माण के दौरान भी जमीन के नीचे दबा चांदी का यह खजाना पूरी तरह सुरक्षित रहा। वह रोमन विला बहुत पहले नष्ट हो चुका है, लेकिन आर्कियोलॉजिस्ट्स की टीम ने खुदाई के जरिए उसके फ्लोर प्लान का नक्शा फिर से तैयार कर लिया है।

इस नक्शे में विला का अंडरफ्लोर हीटिंग सिस्टम भी शामिल है। टीम को वहां से रोमन काल की एक ईंट भी मिली है जिस पर एक कुत्ते के पंजे का निशान बना हुआ है। खुदाई में मिली इन सभी प्राचीन चीजों को अब एक म्यूजियम प्रदर्शनी में रखा जाएगा।

कौन थे सेल्टिक लोग और जूलियस सीजर से उनकी हार का इतिहास क्या है?

म्यूजियम वेल्स की जानकारी के अनुसार सेल्टिक लोग लौह युग के आपस में जुड़े हुए समूह थे, जो प्रोटो-इंडो-यूरोपियन भाषा बोलने वालों के वंशज थे। मध्य यूरोप से उभरने के बाद इन समूहों ने लगभग 10वीं से पहली शताब्दी ईसा पूर्व तक मध्य और पश्चिमी यूरोप के बड़े हिस्से पर कब्जा जमाए रखा।

साल 52 ईसा पूर्व में जूलियस सीजर के नेतृत्व वाली रोमन सेना ने पूर्वी फ्रांस के एलेसिया में सेल्टिक गॉल्स को निर्णायक रूप से हरा दिया था। प्राचीन ब्रिटेन के निवासी भी सेल्टिक मूल के ही थे। आज के दौर में आयरलैंड के मूल निवासी और तटीय फ्रांस के ब्रेटन समुदाय के लोग अपने वंश को सेल्टिक लोगों से जोड़ते हैं। पश्चिमी यूरोप के मजबूत सेल्टिक जुड़ाव वाले इलाकों को आज भी सेल्टिक फ्रिंज कहा जाता है।

कितना बेबस है इंसान...

विकलांगों को राहत पहुंचा रहा है ऑटोबैक ....

ओटोबॉक (OTTOBOCK) एक विश्वप्रसिद्ध जर्मन मेडिकल टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो कृत्रिम अंग ऑर्थोटिक्स - सहायक उपकरण और गतिशीलता समाधान के लिए आवश्यक उपकरण बनाती है। इस कंपनी का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगों और सीमित गतिशीलता वाले लोगों को दोबारा चलने-फिरने व आत्मनिर्भर बनने में मदद का है।

जन्म और इतिहास

* स्थापना : इसकी शुरुआत 1919 में जर्मनी में ओटो बॉक (OTTO BOCK) नामक एक प्रोस्थेटिस्ट ने की थी। प्रथम विश्व युद्ध के घायल सैनिकों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराना इसका शुरुआती लक्ष्य था।
* नया मोड़ : ओटो बॉक ने पूरी तरह लकड़ी तराशने के बजाय अलग-अलग मॉड्यूलर पुर्जे (जैसे घुटने और पंजे के हिस्से) बनाने की शुरुआत की, जिन्हें जरूरत के हिसाब से जोड़ा और समायोजित किया जा सकता था।
* पुनर्निर्माण : द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ओटो बॉक के दामाद डॉ. मैक्स नेडर और उनकी पत्नी मारिया नेडर ने 1947 में डुडरस्टैड (DUDERSTADT) में इसे नए सिरे से खड़ा किया। इस अनूठी कंपनी के विस्तृत इतिहास के लिए ओटोबॉक के 100 वर्ष बहुत उपयोगी हैं।

वैश्विक विस्तार : ओटोबॉक 50 से अधिक देशों में सक्रिय है और दुनिया भर में इसके 340 से अधिक पेशेंट केयर क्लीनिक और रिसर्च हब मौजूद हैं।

* भारत और जयपुर में शाखाएं : भारत में OTTOBOCK CARE के 26 केंद्र हैं। जयपुर में इसका केंद्र बजाज नगर (SHOP NO 6-7, गांधीनगर रेलवे स्टेशन के पास है।

ओटोबॉक के उत्पाद और सेवाएं

यह अपने उत्पाद अलग-अलग तकनीक और क्लिनिकल प्रक्रिया के साथ बनाती हैं।

यह विश्वप्रसिद्ध जर्मन मेडिकल टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो कृत्रिम अंग ऑर्थोटिक्स - सहायक उपकरण और गतिशीलता समाधान (MOBILITY SOLUTIONS जैसे उपकरण) बनाती है। इसका मुख्य उद्देश्य दिव्यांगों और सीमित गतिशीलता वाले लोगों को दोबारा चलने-फिरने और आत्मनिर्भर बनने में मदद करना है। जिसमें ओटो बॉक ने पूरी तरह लकड़ी तराशने के बजाय अलग-अलग मॉड्यूलर पुर्जे (जैसे घुटने और पंजे के हिस्से) बनाने की शुरुआत।

100 वर्ष की कहानी....

* मुख्यालय : कंपनी का वैश्विक मुख्यालय डुडरस्टैड, जर्मनी में स्थित है। जर्मनी के कोनिगसी, बर्लिन और गोटिंगेन आदि स्थानों पर भी इसके उत्पादन और रिसर्च केंद्र हैं।

उपकरणों की तकनीक

मैकेनिकल और माइक्रोप्रोसेसर तकनीक का उपयोग किया जाता है और आधुनिक कृत्रिम घुटनों (जैसे C-LEG या GENIUM) में सेंसर और माइक्रोप्रोसेसर फिट किये जाते हैं, जो चलते समय जमीन और शरीर के संतुलन को भांपकर हाइड्रोलिक या इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण से चलने की गति और सुरक्षा को रियल-टाइम में समायोजित करते हैं।

मायोइलेक्ट्रिक हाथ : कृत्रिम हाथों या बांहों (जैसे BEBIONIC या MICHELANGELO) में लगे इलेक्ट्रोड बची हुई मांसपेशियों के संकुचन को पहचानते हैं और उसी के अनुसार उंगलियों को खोलने, बंद करने या पकड़ने का संकेत देते हैं।

* ऑर्थोटिक्स (ORTHOTICS) : कमजोर या चोटिल अंगों (जैसे पैर, घुटना या रीढ़) को सहारा देने और सही स्थिति में रखने के लिए ब्रेसेस या सपोर्ट का उपयोग किया जाता है।
* फिटिंग और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया : पहले डॉक्टर, प्रोस्थेटिस्ट और फिजियोथेरेपिस्ट मरीज के अंग की जांच व माप लेते हैं। फिर कस्टम सॉकेट और जरूरी हिस्से जोड़कर संतुलन (ALIGNMENT) सेट किया जाता है इसके बाद यूजर को चलने व उपयोग करने का प्रशिक्षण दिया जाता है इसका उद्देश्य कच्चे माल के बदले तैयार उत्पाद बेचकर ग्राहकों को इस स्थान से निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना था। इसके बाद डॉ. मैक्स नेडर ने उस वक्त की रशाखाश एक समूह द्वारा इसकी शुरुआत की गई थी।

इसमें सभी प्रोस्थेटिक घुटने रोगी के नैचुरल चलने के पैटर्न या "गेट साइकिल" के दो फेज़ को कॉपी के लिए डिज़ाइन किए जाते है।

इसमें मैकेनिकल घुटनों को आमतौर पर मैकेनिकल लॉक, फ्रिक्शन, या न्यूमेटिक या हाइड्रोलिक फ्लूइड से कंट्रोल किया जाता है । इस पर अलग-अलग स्पीड पर चलना और रैंप और सीढ़ियों से सुरक्षित रूप से उतरना आसान हो जाता है। साथ ही माइक्रोप्रोसेसर घुटने पर अपनी हेल्दी, एक्टिव ज़िंदगी जीने में मदद करता है

विकलांग महिला रेणु की कहानी...

यह महिला रेणु एक हादसे में अपना एक पांव गंवा गई थी। उसने इस कंपनी के सहयोग से विकलांगता को मात दे दी और घर के कामकाज के लिए पैदल ही जाकर मार्केटिंग करने लगी। इस दौरान उसे ज़मीन पर चलने की स्पीड, जूते या वज़न चाहे जो भी हो, एक स्मूद वॉकिंग पैटर्न का फ़ायदा भी मिलने लगा है । इसके साथ ही इन तरीकों से तालमेल वाला, आसान मूवमेंट मिला।

सरीना की समस्या.....

रोड़ एक्सीडेंट के बाद वह अपने कमरे में कैदी की जिंदगी जीने के लिए मजबूर थी। वह जब चलने का प्रयास करती थी तो कभी ठोकर लगने, गिरने और गिरने के डर बहुत सताया करता था। अब यह समस्या काफी कम हो गई है। चाहे वह तेज़ चल सकती है। साथ ही इंट्यूटिव स्टांस ज़रूरतों के हिसाब से ढलान या ऊबड़-खाबड़ सतहों पर भी, बिना सोचे-समझे खड़े होने और फिर सुरक्षित महसूस करने लगी है।

संविधान दिवस धूमधाम से मनाया



टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। संविधान दिवस के महापर्व के अवसर पर अंबेडकर पार्क में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि व सभी सम्मानित सदस्यों ने बाबा साहब की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद एक विशेष विचार गोष्ठी रखी गई, जिसमें सभी अंबेडकरवादी सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद सभापति मयंक गोयल, हरिप्रसाद जोनवाल, पूर्व विधायक कमल सिंह लोदी, मनिंदर सिंह लोदी, उपसभापति फरजाना सईद, दिनेश चौरसिया, भीम सेना जिला अध्यक्ष अशोक बैरवा, पूर्व पार्षद कमलेश चावला, धर्मेंद्र सालोदिया, एडवोकेट शैलेंद्र शर्मा, राजेश पारोचिया, रामदयाल गुणावत सहित अंबेडकरवादी सामाजिक संगठनों के सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब द्वारा दिया गया संविधान पढ़ना और उसके मौलिक अधिकारों की जानकारी होना प्रत्येक नागरिक के लिए अत्यंत जरूरी है। टोंक नगर परिषद सभापति मयंक गोयल ने अपने उद्बोधन में जिलावासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संविधान को भारतीय लोकतंत्र की अनमोल धरोहर बताते हुए कहा कि यह 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने का मार्गदर्शक है। उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और संविधान सभा के सभी सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि संविधान करोड़ों नागरिकों के जीवन का हिस्सा है और इसकी ताकत ने साधारण परिवार से आए व्यक्ति को भी लोकतंत्र की सेवा करने का अवसर दिया है। इस अवसर पर भीम सेना जिला अध्यक्ष अशोक बैरवा एवं सामाजिक संगठनों द्वारा चल रहे ऐतिहासिक जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

युवाओं को दिया नशा मुक्त भारत का संदेश

टोंक, समाचार जगत ब्यूरो। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत टोंक द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय, मालपुरा में 'विकसित भारत युवा संवाद' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य थीम 'विकसित भारत 2047' रही। इसका उद्देश्य युवाओं को भारत की विकास यात्रा से परिचित कराना, राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना तथा एक सशक्त, समृद्ध एवं नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय, मालपुरा के प्राचार्य शैलेन्द्र शर्मा अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं डॉ. श्याम सुंदर पारीक, सहायक आचार्य एवं कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं नई किरण नशा मुक्ति केंद्र ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की। दोनों अतिथियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए शिक्षा, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य सत्र में यूथ आइकन शेखर शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में विकसित भारत 2047 विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने विद्यार्थियों को भारत की विकास यात्रा और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य से अवगत कराया। अपनी प्रस्तुति में उन्होंने गरीबी उन्मूलन और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में देश की प्रगति, वामपंथी उग्रवाद (नक्सलवाद) से निपटने में हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों तथा एक स्वस्थ, सशक्त और नशा मुक्त समाज के निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि नशाखोरी व्यक्तिगत क्षमता, पारिवारिक खुशहाली, सामाजिक प्रगति और राष्ट्रीय उत्पादकता के लिए एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने संदेश दिया कि विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने के लिए नशा मुक्त भारत अनिवार्य है और इस बदलाव को लाने में युवाओं की निर्णायक भूमिका है। उन्होंने कहा कि नशाखोरी केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करती, बल्कि परिवार की खुशहाली, सामाजिक विकास और राष्ट्र की उत्पादकता के लिए भी गंभीर चुनौती है। विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए नशा मुक्त भारत का निर्माण आवश्यक है तथा इस दिशा में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। संविधान दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया तथा न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर युवाओं को संविधान के आदर्शों का सम्मान करने और जिम्मेदार नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। यह आयोजन देशभर के 30 से अधिक राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 600 से अधिक जिलों तथा 500 से अधिक महाविद्यालयों में आयोजित की जा रही राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा रहा। इस पहल के माध्यम से मेरा युवा भारत का उद्देश्य अमृत पीढ़ी की ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में सकारात्मक रूप से लगाना तथा युवाओं को राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर संवाद एवं सामूहिक भागीदारी के अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से भारत के संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया तथा संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व के मूल्यों को आत्मसात करने और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

राजकीय महाविद्यालय बस्सी में बालिकाओं को आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाया



बस्सी, समाचार जगत ब्यूरो। राजकीय महाविद्यालय बस्सी में महिला नीति-2021 के तहत सत्र 2026-27 की गतिविधियों की श्रृंखला में गुरुवार को करियर काउंसलिंग, व्यक्तित्व विकास एवं बालिकाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से व्याख्यानमाला एवं एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में स्वयं सहायता समूह, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कौशल विकास, स्टार्टअप तथा स्वरोजगार के लिए बैंक ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया पर जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता अभिषेक खांडल एवं सलोनी शर्मा ने छात्राओं को करियर के विभिन्न अवसरों, चयन प्रक्रिया और व्यक्तित्व विकास के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने छात्राओं को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप करियर चुनने के लिए प्रेरित किया। वहीं प्रोफेसर रामनारायण मीणा ने स्वयं सहायता समूहों के गठन, सरकारी योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय प्राचार्य रमेश चंद मीणा ने कहा कि छात्राएं शिक्षा के साथ सरकारी एवं गैर-सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें। महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण परिवार और समाज की मजबूती का आधार है। कार्यक्रम में 110 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बाइस गोदाम से बी-2 बाइपास तक सड़क चौड़ीकरण की योजना

अब रेलवे की जमीन की सीमा भी जांची जाएगीं

समाचार जगत न्यूज



जयपुर. जयपुर में 22 गोदाम से बी-2 बाइपास तक सड़क चौड़ीकरण की योजना में अब रेलवे की जमीन की सीमा भी जांची जाएगी। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने गुरुवार को जेडीए अधिकारियों को रेलवे के पुराने सेटलमेंट रिकॉर्ड खंगालने और मौजूदा स्थिति से मिलान करने के आदेश दिए हैं। इसके लिए साल 1925 के रियासतकालीन और 1952 से 1955 के बीच हुए सेटलमेंट के दस्तावेज जुटाए जाएंगे।

अधिक जमीन पर कब्जा मिला तो अतिक्रमण का नोटिस : मंत्री ने कहा- रेलवे को रिकॉर्ड में जितनी जमीन आवंटित या अधिग्रहित की गई थी। उससे अधिक क्षेत्र में कब्जा मिलने पर अतिक्रमण दर्ज कर नियमानुसार नोटिस जारी किया जाएगा। रेलवे अपने पक्ष में दस्तावेज प्रस्तुत कर सकता है। जेडीए उनकी वैधानिकता जांचने के बाद आगे की कार्रवाई तय करेगा। सड़क सीमा में आ रहे अवैध निर्माण पर जेडीए की टीम ने निशान लगाए थे। सड़क सीमा में आ रहे निर्माण का जेडीए टीम ने सीमांकन किया था।

तीन हिस्सों में सड़क की अलग-अलग चौड़ाई तय

जेडीए ने 22 गोदाम से बी-2 बाइपास तक सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई शुरू की है। पीडब्ल्यूडी पुलिया से बी-2 बाइपास क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान करीब 64 निर्माण सड़क सीमा में चिह्नित किए गए हैं। इन पर लाल निशान लगाए गए हैं। कहीं 8 फीट तो कहीं 14 फीट तक का हिस्सा सड़क सीमा में आ रहा है।

एक सड़क पर तीन साइज की नाप : जोनल प्लान के अनुसार सड़क को तीन हिस्सों में डवलप किया जाएगा। 22 गोदाम से महेश नगर फाटक तक 2.7 किलोमीटर सड़क 40 फीट, महेश नगर फाटक से गोपालपुरा बाइपास पुलिया तक 1.9 किलोमीटर सड़क 60 फीट और गोपालपुरा बाइपास पुलिया से बी-2 बाइपास तक 2.9 किलोमीटर सड़क 80 फीट चौड़ी होगी। मास्टर प्लान में पहले पूरे रास्ते की चौड़ाई 100 फीट प्रस्तावित थी, लेकिन बाद में जोनल प्लान में तीन हिस्सों की अलग-अलग चौड़ाई तय की गई।

रिकॉर्ड और मौके की नाप का होगा मिलान

मंत्री खर्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क चौड़ीकरण से जुड़ी आगामी कार्रवाई से पहले रेलवे की जमीन के दस्तावेजों की जांच की जाए। पुराने रिकॉर्ड में रेलवे को आवंटित या अधिग्रहित जमीन की चौड़ाई और क्षेत्रफल का पता लगाया जाएगा। इसके बाद दोनों सेटलमेंट रिकॉर्ड का तुलनात्मक अध्ययन कर मौके पर नाप कराई जाएगी। ऐसे में अगर रिकॉर्ड और वर्तमान स्थिति में अंतर मिलता है और आवंटित सीमा से अधिक जमीन पर रेलवे को काबिज पाया जाता है तो उस हिस्से को अतिक्रमण के रूप में दर्ज कर जेडीए नियमों के तहत नोटिस जारी किया जाएगा।

साक्ष्य या दस्तावेज की जेडीए जांच करेगा

मंत्री ने कहा- रेलवे प्रशासन के पास जमीन से संबंधित कोई साक्ष्य या दस्तावेज हैं तो वह जेडीए के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। प्राधिकरण उनकी वैधानिकता की जांच करेगा। अगर रेलवे रिकॉर्ड के आधार पर दोषी नहीं पाया जाता है तो परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। पुराने समय में जमीन के आवंटन या सीमांकन में कोई गलती सामने आती है तो उस दौर के अधिकारियों से भी बात की जाएगी। जिम्मेदारी तय होने पर संबंधित पहलुओं पर विचार होगा। कार्रवाई वास्तविक स्थिति और तथ्यों के आधार पर की जाएगी।

टोंक रोड पर घटेगा ट्रैफिक का दबाव

सड़क चौड़ीकरण पूरा होने पर बी-2 बाइपास से 22 गोदाम तक सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। अभी लोगों को टोंक रोड के रास्ते लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। नया रास्ता डवलप होने से वैकल्पिक रास्ता मिलेगा। टोंक रोड पर ट्रैफिक का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

हिंदू सर्व-जातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन 11 फरवरी को

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. बसंत पंचमी के अवसर पर सनातन सेवा संस्थान (पंजीकृत), जयपुर के बैनर तले हिंदू सर्व-जातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन आगामी 11 फरवरी को विद्याधर नगर,सेक्टर-7 स्थित अग्रसेन हॉस्पिटल के पीछे वाले ग्राउंड पर किया जाएगा। इस अवसर पर नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी का संपूर्ण सामान भेंट किया जाएगा।

संस्थान के अध्यक्ष केशव अरोड़ा एवं सचिव नवीन भूटानी ने बताया कि इस विवाह सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता, समानता एवं सहयोग की भावना को बढ़ावा देना तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि इस पुनीत आयोजन में नवविवाहित वर-वधुओं को सम्मानपूर्वक गृहस्थ जीवन की शुरुआत करने के लिए अनेक आवश्यक घरेलू, दैनिक उपयोग की वस्तुएं एवं उपहार सामग्री भेंट की जाएगी।

इस अवसर पर देशभर से अनेक पूज्य संत-महात्मा, धर्मगुरु एवं प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से पधारकर नवविवाहित जोड़ों को अपना शुभाशीर्वाद प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में समाज के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों एवं समाजसेवियों की उपस्थिति भी रहेगी।

पटाखों से भाजपा मंडल अध्यक्ष के गेस्ट हाउस में लगी आग से फर्नीचर और सामान राख





बहरोड़, समाचार जगत ब्यूरो। बहरोड़ में रात 10:30 बजे बारात में पटाखे फोड़ने से उठी चिंगारियों से भाजपा मंडल अध्यक्ष के गेस्ट हाउस में आग लग गई। आग से गेस्ट हाउस में रखा फर्नीचर और अन्य सामान जल गया। आगजनी में करीब 7 से 8 लाख रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है। दमकल ने आग पर काबू पाया। बारात हरियाणा के धारूहेड़ा से आई थी।

जिलानी माता मंदिर रोड स्थित बहरोड़ कचहरी के पीछे रहने वाले बहरोड़ भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रशांत यादव ने बताया कि हरियाणा के धारूहेड़ा से एक बारात बहरोड़ आई हुई थी। घर से 50-60 मीटर दूर स्थित मंगल मैरिज होम में शादी समारोह चल रहा था। बारात मेरे घर के सामने से ही निकल रही थी। बाराती आतिशबाजी कर रहे थे।

पटाखों से निकली चिंगारी पास में बने फाइबर के गेस्ट हाउस पर जा गिरी। इससे गेस्ट हाउस में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना के बाद बारातियों ने स्पीकर बंद किए और वहां से निकल गए। मैं और मेरा परिवार घर के अंदर ही था। हमने आग की सूचना दमलक विभाग को दी। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी में गेस्ट हाउस के सोफा, झूला, पंखे और फाइबर से बना स्ट्रक्चर पूरी तरह जलकर राख हो गया।

कांग्रेस संविधान रक्षा सम्मेलन में भाजपा को घेरा

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में गुरुवार को संविधान रक्षा सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभी कांग्रेसजनों को संविधान रक्षा की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने ईवीएम, वोट चोरी सहित अन्य मुद्दों को लेकर भाजपा को घेरा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के संगठन महासचिव ललित तूनवाल ने कहा कि इस देश में संविधान आज इतने खतरे में कभी नहीं रहा जितना आज है। आज जरूरत इस बात की है कि कांग्रेस दृढ़ता और एकजुटता के साथ संविधान की रक्षा करे।

समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष डॉ. अर्चना ने कहा कि आज पूरा विश्व भारत के संविधान से प्रेरणा लेता है, जबकि भाजपा अपने शासन को बचाने के लिए संविधान में तोड़-मरोड़ करने में लगी हुई है। लेकिन कांग्रेस पार्टी उनकी इन चालों को सफल नहीं होने देगी। आर.आर. तिवारी ने कहा कि यह एक तरह से आज़ादी की दूसरी लड़ाई है, जिसके लिए हमें कमर कस लेनी चाहिए। कार्यक्रम को पुष्पेंद्र भारद्वाज, हरसहाय यादव सहित अन्य ने संबोधित किया।

जयपुर में होगा कलरफ्यूजन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल



जयपुर, समाचार जगत न्यूज। राजस्थान को वैश्विक सिनेमा, कला और सांस्कृतिक संवाद के मंच पर विशेष पहचान दिलाने के उद्देश्य से जयपुर में 12 व 13 मार्च को कलरफ्यूजन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। दृश्य सिने प्रोडक्शन के बैनर तले आयोजित इस फेस्ट में स्टोरीज बियॉन्ड बॉर्डर्स थीम के साथ विभिन्न देशों की कहानियां, संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा। इस फेस्ट में स्पेन, दक्षिण कोरिया, ब्राजील और ग्रीस को आमंत्रित किया गया है। फेस्टिवल के फाउंडर डायरेक्टर तपेश कोटिया ने कहा कि कलरफ्यूजन के माध्यम से हमारा मकसद राजस्थान को इंटरनेशनल फिल्म और सांस्कृतिक संवाद के एक नए मंच के रूप में प्रस्तुत करना है। आठ सदस्यीय सलाहकार समिति के मार्गदर्शन में होने वाले इस फेस्ट में मनीषा देसाई निदेशक और टीना शर्मा कार्यकारी निदेशक की भूमिका निभाएंगी। आयोजन के पहले दिन फिल्म और मनोरंजन जगत से जुड़े व्यक्तित्वों के साथ दो टॉक सेशन होंगे तथा दूसरे दिन भी एक टॉक शो होग, जिसके बाद जूरी द्वारा चयनीत फिल्मो को सम्मानित किया जाएगा।

भारतीय दर्शन कांग्रेस का अधिवेशन 27 से

जयपुर, समाचार जगत न्यूज. देश की सबसे पुरानी और बड़ी दार्शनिक संस्था भारतीय दर्शन कांग्रेस का 101वां अधिवेशन 27 से 30 नवंबर तक राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित होगा। संस्था की स्थापना वर्ष 1925 में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने की थी। स्थापना के 101 वर्ष के इतिहास में पहली बार इस अधिवेशन का आयोजन राजस्थान विश्वविद्यालय और जयपुर में हो रहा है।

हृदयाघात एवं कार्डियक अरेस्ट जैसी आपातकालीन स्थिति में जीवनरक्षा की मुहिम

1 करोड़ नागरिकों को सीपीआर प्रशिक्षण देने का लक्ष्य

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. प्रदेश में हृदयाघात एवं कार्डियक अरेस्ट जैसी जानलेवा आपातकालीन स्थिति में समय पर जीवन बचाने के उद्देश्य से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 'डेडिकेटेड इंटरवेंशन एंड लाइफ सेविंग इमरजेंसी' (डीआईएलएसई) कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को जीवन रक्षक कौशल से प्रशिक्षित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मार्च 2027 तक प्रदेश के कम से कम एक करोड़ नागरिकों को कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन यानी सीपीआर का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि डेडिकेटेड इंटरवेंशन एंड लाइफ सेविंग इमरजेंसी' कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश में सीपीआर, ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) के उपयोग तथा हृदयाघात की समय रहते पहचान एवं उपचार की क्षमता विकसित करना है। उन्होंने कहा कि कार्डियक अरेस्ट जैसी आपात स्थिति में चिकित्सा सहायता पहुंचने से पहले सीपीआर एवं एईडी का सही उपयोग किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग के साथ आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए प्रदेशव्यापी जीवन रक्षक प्रशिक्षण नेटवर्क तैयार किया जाएगा।

राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम चरण में जयपुर जिले के लिए झालाना डूंगरी स्थित राजकीय प्रशिक्षण केंद्र में दो दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) सम्पन्न हुआ। इसमें करीब 40 चिकित्सकों को सीपीआर, एईडी संचालन तथा एसटी-एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्क्शन (एसटीईएमआई) की पहचान के लिए ईसीजी का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसका उद्देश्य जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स तैयार करना है, जो आगे अपने क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्मिकों को प्रशिक्षित करेंगे।



प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि आगामी दिसम्बर माह के प्रथम सप्ताह में सीएचओ, एएनएम एवं आशा सहयोगिनियों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद आगामी दो माह में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों के माध्यम से सामुदायिक प्रतिनिधियों, विद्यालयों के शिक्षकों, पुलिसकर्मियों एवं अन्य नागरिक समूहों को सीपीआर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रकार स्वास्थ्य विभाग के प्रशिक्षित कार्मिकों के माध्यम से आमजन तक जीवन रक्षक तकनीकों का विस्तार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में उपयोग किए गए सीपीआर मैनिकिन एवं एईडी ट्रेनर्स संबंधित चिकित्सकों को एक माह के लिए वापसी योग्य आधार पर उपलब्ध करवाए जाएंगे, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में चिकित्सकों, नर्सिंगकर्मियों एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण दे सकें। डीआईएलएसई कार्यक्रम को जयपुर के बाद प्रदेश के सभी जिलों में चरणबद्ध रूप से लागू किया जाएगा।

प्रशिक्षण देने का विजन साझा किया

राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुनील सिंह ने राजस्थान के पांच करोड़ नागरिकों को सीपीआर प्रशिक्षण देने का विजन साझा करते हुए कहा कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक जीवन रक्षक बने, यही डीआईएलएसई कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में 30 फीडबैक आधारित सीपीआर मैनिकिन एवं 25 एईडी ट्रेनर्स उपलब्ध करवाए गए। इनके माध्यम से चिकित्सकों को सीपीआर एवं एईडी के सुरक्षित उपयोग का व्यावहारिक अभ्यास करवाया गया। इसके साथ ही रेस्क्यू ब्रीदिंग, एयरवे मैनेजमेंट एवं इंट्यूबेशन का प्रशिक्षण भी दिया गया। एसटीईएमआई के विभिन्न प्रकारों एवं उनसे मिलती-जुलती ईसीजी स्थितियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ डॉ. वी.के. जैन ने कार्डियक अरेस्ट की पहचान, उच्च गुणवत्ता वाले सीपीआर, एडल्ट बेसिक लाइफ सपोर्ट, एईडी संचालन तथा एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट की मूलभूत जानकारी दी। डॉ. जय पुरोहित ने एसटीईएमआई की शीघ्र पहचान, ईसीजी, प्रारंभिक उपचार, थ्रोम्बोलाइसिस, पीसीआई तथा मरीजों के त्वरित रेफरल की प्रक्रिया के बारे में बताया। डॉ. अनुपम महर्षि ने सीपीआर, एईडी संचालन एवं ईसीजी की व्यावहारिक जानकारी दी।

पाकिस्तानी सीरीज पर भड़कीं पूनम पांडे,

बोलीं-वॉर के वक्त भारत को कोसते थे, अब क्यों जाग..



पाकिस्तानी नेटफ्लिक्स ओरिजिनल सीरीज 'जो बचे हैं संग समेट लो' भारत में रिलीज को लेकर विवादों में आ गई। आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत के तमाम कलाकार इसका विरोध कर रहे हैं। इसी कड़ी में अभिनेत्री पूनम पांडे भी इस सीरीज का विरोध करती नजर आईं। अभिनेत्री पूनम पांडे ने पाकिस्तानी एक्टर्स के युद्ध के दौरान भारत के बारे में दिए गए बयानों पर नाराजगी जाहिर की। उनका कहना है कि पाकिस्तानी कंटेंट को उनके देश में ही दिखाया जाना चाहिए। अभिनेत्री ने कहा, पाकिस्तान में भी बहुत से मजेदार कलाकार हैं। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो वॉर के वक्त ऐसे बहुत सारे आर्टिस्ट ने भारत के बारे में बहुत सारी चीजें बोली थीं। तो जब वॉर चलता है, तब पाकिस्तानी कलाकार सभी के सामने हमारे बारे में इतना बुरा-भला बोलते हैं और जब उन्हें हमारी जरूरत होती है, तो मोहब्बत जाग जाती है। मुझे तो इनकी बातें समझ नहीं आती हैं, वे अपने स्टेटमेंट पर खड़े क्यों नहीं रह पा रहे हैं। अगर पाकिस्तानियों को भारत से नफरत है, तो अब भारत पर इतना प्यार क्यों आ रहा है? आज हमारे नेटफ्लिक्स की जरूरत क्यों हो गई आपको?

किंग: 20 साल बाद लंबी फिल्म लेकर आ रहे शाहरुख खान?

रनटाइम को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट

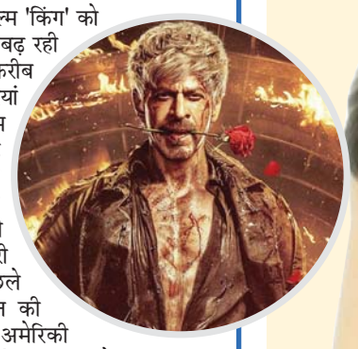

शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'किंग' को लेकर फैंस के बीच उत्साह लगातार बढ़ रही है। फिल्म की रिलीज जैसे-जैसे करीब आ रही है, इससे जुड़ी नई जानकारियां भी सामने आ रही हैं। अब फिल्म के रनटाइम को लेकर एक अपडेट सामने आया है, जिसके मुताबिक सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी यह फिल्म 3 घंटे से भी ज्यादा लंबी हो सकती है। अगर यह जानकारी सही साबित होती है, तो 'किंग' पिछले करीब 20 साल में शाहरुख खान की सबसे लंबी फिल्मों में से एक होगी। अमेरिकी मूवी टिकटिंग वेबसाइट फैंडैंगो की लिस्टिंग के मुताबिक, 'किंग' का रनटाइम 3 घंटे 17 मिनट बताया गया है। हालांकि, इससे पहले सामने आई रिपोर्ट्स में फिल्म की लंबाई करीब 2 घंटे 35 मिनट बताई गई थी। ऐसे में फिल्म के रनटाइम को लेकर सामने आई यह नई जानकारी चर्चा में है। फिलहाल मेकर्स की ओर से फिल्म की फाइनल अवधि को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'किंग' का ट्रेलर करीब 3 से साढ़े 3 मिनट लंबा हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एडिटिंग टीम ट्रेलर के अलग-अलग वर्जन पर काम कर रही है।

बहू शाम्भवी शर्मा के आरोपों पर बोले सुदेश बेरी- वो खुद देवी का रूप हैं

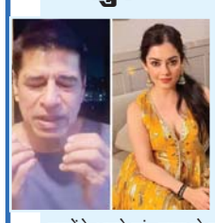

एक्टर ने बहू के दावों को गलत बताते हुए साफ कहा कि मैं उन्हें वह हासिल करने में मदद नहीं कर सकता जो उनकी किस्मत में नहीं है। शाम्भवी ने सिद्धार्थ कन्नन के शो पर हाल ही में अपनी शादी और करियर कई बातें कही थीं। उन्होंने अपने आरोपों में कहा था कि उन्हें अपने ससुराल वालों से उम्मीद के मुताबिक सहयोग नहीं मिला। उन्होंने बताया कि शादी से पहले उन्होंने अपने मां-पापा से कहा था कि वो एक बॉलीवुड फैमिली का हिस्सा बनने जा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें लगा था शायद उनके ससुर प्रमोट करेंगे। एक्ट्रेस ने अपनी उन पुरानी उम्मीदों से पर्दा उठाते हुए कहा था, 'मुझे लगा था कि शायद मुझे उनके कॉन्टैक्ट्स मिल जाएंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। मैं अपने सपनों से बहुत दूर जाती रही।' अब सुदेश बेरी ने 'स्क्रीन' से हुई बातचीत में अपनी बहू को लेकर बातें कीं। उन्होंने कहा, 'मैंने इंडस्ट्री में आने वाले सभी नए कलाकार की हमेशा हिम्मत बढ़ाई है, चाहे हम रिश्तेदार हों या नहीं। शांभवी सिर्फ मेरी बहू नहीं, वो मेरी बेटी भी है। लेकिन मैं उन्हें वह हासिल करने में मदद नहीं कर सकता जो उनकी किस्मत में नहीं है।'

एमपी में शुरू होगी सनकी की शूटिंग: सीएम मोहन से मिले सुनील शेट्टी,

अहान शेट्टी की अपकमिंग फिल्म 'सनकी' की शूटिंग को लेकर मध्य प्रदेश में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी सिलसिले में अभिनेता सुनील शेट्टी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। दोनों के बीच प्रदेश में फिल्म की शूटिंग और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। सुनील शेट्टी की इस मुलाकात के बाद मध्य प्रदेश एक बार फिर फिल्म शूटिंग को लेकर सुर्खियों में है।



सीएम से की सुनील शेट्टी ने मुलाकात

फिल्म 'सनकी' की शूटिंग के सिलसिले में भोपाल पहुंचे बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता सुनील शेट्टी ने मुख्यमंत्री आवास पर सीएम मोहन यादव से मुलाकात की। इसका वीडियो सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर काफी वायरल हो रहा है। फिल्म 'सनकी' एक एक्शन और लव स्टोरी पर आधारित फिल्म है। इसमें सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं। फिल्म में रोमांस, इमोशन और एक्शन का मेल देखने को मिलेगा। बता दें कि इसे 2027 की पहली छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है।

शूटिंग के लिए क्यों पसंद किया जाता है मध्य प्रदेश?: मध्य प्रदेश में फिल्मों की शूटिंग करना फिल्ममेकर्स के लिए कई तरह से आसान है। यहां पर किले, महल, जंगल, नदियां, घाट, गांव और बड़े शहर जैसी कई तरह की लोकेशन मिल जाती हैं। इससे फिल्म निर्माताओं को अलग-अलग जगहों पर जाने की जरूरत कम पड़ती है। इसके अलावा, सरकार ने शूटिंग की परमिशन को आसान बनाने के लिए फिल्म फैसिलिटेशन सेल (FFC) बनाया है। इसके जरिए फिल्ममेकर्स सिंगल विंडो सिस्टम से शूटिंग की अनुमति ले सकते हैं।

'ऑफिसर ऑन ड्यूटी' के मेकर्स पर केस दर्ज, बिना अनुमति दिखाया शख्स का मोबाइल नंबर

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। मशहूर फिल्म निर्माता मार्टिन प्रक्कट और दो अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। आरोप है कि उनकी फिल्म में एक शख्स का मोबाइल नंबर उसकी अनुमति के बिना दिखाया गया, जिसके बाद उसे लगातार अश्लील और धमकी भरे फोन कॉल और मैसेज आने लगे। इस मामले में कोच्चि सिटी साइबर क्राइम पुलिस ने कार्रवाई की है। दरअसल, यह पूरा मामला मलयालम फिल्म 'ऑफिसर ऑन ड्यूटी' से जुड़ा है।



शिकायतकर्ता को आए धमकी भरे फोन

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, फिल्म के एक सीन में शिकायतकर्ता अक्षय प्रकाश (26) का मोबाइल नंबर एक महिला किरदार के फोन नंबर के तौर पर दिखाया गया था। अक्षय के अनुसार, ऐसा उनकी जानकारी और सहमति के बिना किया गया। इसके बाद उन्हें लगातार परेशान करने वाले और धमकी भरे फोन कॉल आने लगे। इतना ही नहीं, उन्हें अश्लील मैसेज भी भेजे गए, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और निजी छवि को नुकसान पहुंचा। इस घटना के कारण उन्हें मानसिक तनाव से भी गुजरना पड़ा। इस मामले में एर्नाकुलम के थ्रिक्काकारा निवासी अक्षय प्रकाश ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट के आदेश के बाद बुधवार को साइबर क्राइम पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। इस मामले में निर्माता मार्टिन प्रक्कट के अलावा सिबी चावरा और रेनजिथ नायर को भी आरोपी बनाया गया है। दोनों मार्टिन प्रक्कट मूवीज से जुड़े हुए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और केरल पुलिस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस ए. अनंतलाल कर रहे हैं।



प्रेम से मोह लिया मन या इमोशनल सीन्स से किया भेजा फ्राई ?

दर्शकों का मूवी पर फैसला

आयुष्मान खुराना और शरवरी की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। सूरज बड़जात्या की फिल्मों का मतलब हमेशा से प्यार-संस्कार और परिवार रहा है। उन्होंने दर्शकों को क्लीन सीन्स के साथ हम आपके हैं कौन, मैंने प्यार किया और हम साथ-साथ हैं जैसी कई हिट फिल्में दी हैं, जो आज के समय में हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे आइकॉनिक मूवीज मानी जाती हैं। अब निर्देशक अपनी नई फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के साथ फिल्मी पर्दे पर लौट आए हैं। सलमान खान के अलावा अब आयुष्मान फैमिली ड्रामा के साथ नए 'प्रेम' बने हैं, जहां उनके साथ मुख्य भूमिका में शरवरी नजर आईं। क्या 'ये प्रेम मोल लिया' के साथ आयुष्मान और शरवरी दर्शकों के दिलों में वहीं जगह बना पाए या नहीं, इस पर दर्शकों ने अपना फैसला सुना दिया है।

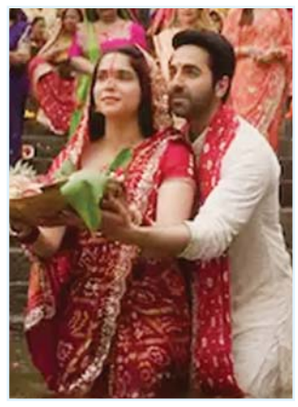

दर्शकों के दिलों को खूब भाई 'ये प्रेम मोल लिया'

एक और यूजर ने लिखा, सूरज जी, डन ब्रो आपने सच में दिल जीत लिया है। मैं ये कहना चाहता हूं कि हम सब आपके फैन हैं और सब आपके साथ हैं। मैं अभी मूवी देख ही रहा हूं और अभी से मुझे इससे प्रेम हो गया है। सिंपल और दिल जीतने वाली है। शरवरी ने बहुत अच्छा काम किया है। आपको बता दें कि 'ये प्रेम मोल लिया' की बॉक्स ऑफिस पर इमरान हाशमी स्टारर फिल्म 'गनमास्टर G9 के साथ टक्कर हुई है।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट पर MNS का हल्लाबोल, ड्रग्स के आरोपों से मचा बवाल; दी रास्ता रोकने की धमकी !

मुंबई में पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है. एक तरफ दिलजीत के गानों पर झूमने के लिए फैंस बेताब हैं, तो दूसरी तरफ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने इस कार्यक्रम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मामला सिर्फ विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि मनसे ने सीधे पुलिस प्रशासन से कॉन्सर्ट रद्द करने की मांग कर दी है। इतना ही नहीं, चेतावनी भी दे दी है कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई तो स्थानीय लोगों के साथ मिलकर 'रास्ता रोको आंदोलन किया जाएगा। दरअसल, मुंबई के महालक्ष्मी रेसकोर्स में आयोजित होने वाले इस कॉन्सर्ट को लेकर मनसे ने ताडदेव पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दी है।

'दुश्मन भूतों से ज्यादा डरावने...',

बॉलीवुड पार्टियों से दूर रहने और हॉरर फिल्मों पर अदा के बेबाक बोल

फिल्म इंडस्ट्री के इवेंट्स में नजर ना आना भी कलाकारों के लिए एक बड़ी दिक्कत खड़ी कर सकता है, भले ही वे अपनी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हों। मगर अभिनेत्री अदा शर्मा को इससे फर्क नहीं पड़ता है। इन दिनों अदा शर्मा एक हॉरर फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा उनकी मराठी फिल्म 'गजरा' भी बनकर तैयार है। खुद की पब्लिसिटी, पार्टियों में जाने को लेकर अदा शर्मा कहती हैं, मेरा स्वभाव ही ऐसा है कि मुझे पार्टी या इवेंट्स में जाना पसंद नहीं है। मुझे थकान हो जाती है, मैं उस माहौल में सहज महसूस नहीं करती हूं। मैं अपने स्पेस में खुश रहती हूं। अपनी ऊर्जा अपने काम पर केंद्रित रखती हूं। अदा शर्मा आगे बताती हैं, मैं रेड कारपेट, पार्टी और इवेंट्स के बारे में ज्यादा नहीं सोचती। लेकिन हां, इंटरनेट मीडिया पर खुलकर अपने मन की बातें करती हूं। मुझे फोमो का डर नहीं है। मुझे तो सेट पर जाकर एक नए पात्र का कास्ट्यूम पहनकर अपनी लाइनें बोलने में ज्यादा मजा आता है। कई लोग कहते हैं कि अंतर्मुखी (इंट्रोवर्ट) होने से इस इंडस्ट्री में नुकसान भी हो सकता है, लेकिन मुझे इतना सारा काम मिल तो रहा है। अदा के करियर की शुरुआत हॉरर फिल्म '1920' से हुई थी। हॉरर जानर में दोबारा काम करने को लेकर वह कहती हैं, इससे मुझे कझे भी डर नहीं लगा। असल जिंदगी में कई बार दुश्मन भूतों से ज्यादा डरावने होते हैं। '1920' की फ्रेंचाइज अब '1920-कोल्ड विंटर' फिल्म के साथ आगे बढ़ रही है।

जितेंद्र कुमार और प्रिया अभिनीत मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म

"डालिंब" का प्रीमियर 4 दिसंबर को विशेष रूप से हिंदी जी 5 पर



अलग-अलग शैलियों की दिलचस्प कहानियों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने की अपनी कोशिश को आगे बढ़ाते हुए, हिंदी Zee5 ने अपनी आने वाली ओरिजिनल फिल्म 'डालिंब' का ट्रेलर जारी किया है। यह एक रोमांचक और रोंगटे खड़े कर देने वाली मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म है, जो आखिरी पल तक दर्शकों को कहानी से बांधे रखेगी। एलिप्सिस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म में जितेंद्र कुमार एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे, जबकि प्रिया बापट एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कहानी दो रहस्यमयी घटनाओं के इर्द-गिर्द घूमती है - एक लापता बच्चा और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र से फरार हुआ एक व्यक्ति। ये दोनों घटनाएं समय के साथ चलने वाली एक खौफनाक दौड़ की शुरुआत करती हैं। 'डालिंब' का प्रीमियर 4 दिसंबर 2026 को खास तौर पर हिंदी Zee5 पर होगा। मुंबई के एक उपनगरीय मध्यमवर्गीय इलाके की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म उन छिपी हुई सच्चाइयों को सामने लाती है, जो हमारे आस-पास के जाने-पहचाने इलाकों में मौजूद हैं।

आर्यन की 'गर्लफ्रेंड' बोलीं- वो अपने फ्यूचर के लिए लड़ रहा है'

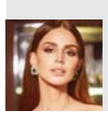

हालांकि, इस पूरी बातचीत में लारिसा ने कहीं पर भी आर्यन खान संग अपने अफेयर रूमर्स पर सीधी बात नहीं की। लेकिन उन्होंने आर्यन और खान परिवार के तारीफों के पुल जरूब बांधे। लारिसा ने आगे कहा, 'आर्यन एक बहुत अच्छे इंसान हैं। वो समझदार होने के साथ-साथ अपने लक्ष्य को लेकर दृढ़ हैं।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन: भारत में धीमी पड़ी 'रामायण' की रफ्तार

'ओम' ने वर्ल्डवाइड किया 100 करोड़ का आंकड़ा पार

आज शुक्रवार है और सिनेमाघरों में 'ये प्रेम मोल लिया' और 'गनमास्टर जी9' जैसी फिल्में रिलीज हो गई हैं। वहीं, थिएटर में पहले से ही 'रामायण', 'ओम' और 'गॉडजिला' मौजूद हैं, जिनकी कमाई पर नई रिलीज फिल्मों का असर पड़ सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इन फिल्मों ने गुरुवार तक कितना बिजनेस किया।

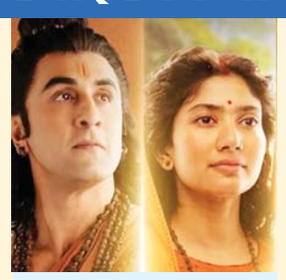

'रामायण'

रणबीर कपूर और यश स्टारर फिल्म 'रामायण' को रिलीज हुए 22दिन पूरे हो गए हैं और इस मूवी ने दुनियाभर में 1777 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। हालांकि, भारत में अब फिल्म की रफ्तार कुछ धीमी हो गई है। रिलीज के समय फिल्म के 25 हजार से ज्यादा शो चल रहे थे, लेकिन अब इनकी संख्या घटकर करीब 15,700 रह गई है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर यह मूवी 992.10 करोड़ का नेट बिजनेस कर चुकी है।



'ओम'

'ओम: चैप्टर 1' ने 20 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फिल्म ने शुरुआत तो अच्छी की, लेकिन वीकडेज में इसके कलेक्शन में गिरावट आई। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने सातवें दिन भारत में 3.75 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। फिल्म का भारत में कुल नेट कलेक्शन 69.30 करोड़ रुपये और ग्रॉस कलेक्शन 80.35 करोड़ रुपये हो चुका है। फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 111.10 करोड़ रुपये हो गया है।

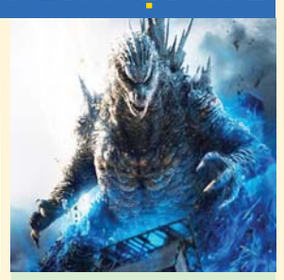

'गॉडजिला माइनस जीरो'

'गॉडजिला माइनस जीरो' भी 20 नवंबर को रिलीज हुई थी। फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन अब तक उतार-चढ़ाव भरा रहा है। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने सातवें दिन 32 लाख रुपये का नेट कलेक्शन किया, जो छठे दिन की कमाई से करीब 3.2 फीसदी ज्यादा है। सात दिनों में फिल्म ने भारत में 4.53 करोड़ रुपये नेट कमाए हैं।

नए जेम्स बॉन्ड को ट्रंप ने दी बधाई

रॉबर्ट पैटिनसन की लव लाइफ पर 14 साल पहले किया था भद्दा ट्वीट



ब्रिटेन के शाही परिवार के बाद रॉबर्ट पैटिनसन को नया जेम्स बॉन्ड चुने जाने पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बधाई दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बातचीत के साथ -साथ डोनाल्ड ट्रंप ने रॉबर्ट और अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट के रिश्ते को लेकर 2012 में किए गए उस ट्वीट का भी जिक्र किया है, जिसमें उन्होंने चीटिंग की बात कही थी। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, जब ट्रंप से रॉबर्ट पैटिनसन के नया जेम्स बॉन्ड बनने पर पूछा गया, तो उन्होंने अपनी सहयोगी से कहा कि वो अभिनेता के बारे में कुछ आर्टिकल लेकर आएं, ताकि वो इस पर अपनी राय दे सके। सहयोगी नताली हार्पर जब लेख लेकर आईं तो उन्हें पढ़ने से पहले डोनाल्ड ट्रंप बोले, क्या जेम्स बॉन्ड रूढ़िवादी व्यक्ति है? रिपोर्ट्स देखने के बाद ट्रंप ने कहा, मैं हमेशा उन्हें पसंद करता हूं, जो लोग मुझे लाइक करते हैं। ब्रिटेन के शाही परिवार के बाद रॉबर्ट पैटिनसन को नया जेम्स बॉन्ड चुने जाने पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बधाई दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बातचीत के साथ -साथ डोनाल्ड ट्रंप ने रॉबर्ट और अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट के रिश्ते को लेकर 2012 में किए गए उस ट्वीट का भी जिक्र किया है, जिसमें उन्होंने चीटिंग की बात कही थी।

मिमी ने रचाई शादी, छिपाया पति का चेहरा



बंगाली एक्ट्रेस और पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती ने कोलकाता में सिद्धार्थ दत्ता से शादी कर ली है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीर शेयर की हैं। इन तस्वीर में मिमी ने अपने पति की झलक तो दिखाई है, लेकिन किसी भी तस्वीर में पति का चेहरा पूरा नहीं दिखाया है। मिमी और सिद्धार्थ ने रजिस्टर मैरिज की। मिमी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें से पहली तस्वीर में मिमी और उनके पति हाथ में अंगूठी पकड़े नजर आ रहे हैं।



नन्हे हमिंगबर्ड का कमाल!

38 दिनों में 6526 KM उड़कर पहुंचा अलास्का, वैज्ञानिक भी हैरान

एजेन्सी

अलास्का। दुनिया की सबसे छोटी और हल्की चिड़ियों में शामिल हमिंगबर्ड ने अपनी उड़ान क्षमता से वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। एक नर रूफस हमिंगबर्ड ने महज 38 दिनों में अमेरिका के अलबामा से अलास्का तक 6,526 किलोमीटर की यात्रा पूरी की। वैज्ञानिकों के रिकॉर्ड में यह किसी हमिंगबर्ड की अब तक दर्ज की गई सबसे लंबी प्रवास यात्रा है। खास बात यह है कि इस पूरी यात्रा को वैज्ञानिकों ने एक बेहद छोटे ट्रैकिंग डिवाइस की मदद से रिकॉर्ड किया। इस तकनीक ने न केवल हमिंगबर्ड की उड़ान से जुड़े नए रहस्य खोले हैं, बल्कि पक्षियों के प्रवास और उनके संरक्षण की दिशा में भी नई संभावनाएं पैदा की हैं। हमिंगबर्ड आकार और वजन के मामले में बेहद छोटी होती हैं। इनका वजन आमतौर पर 5 ग्राम से भी कम होता है यानी एक छोटी चीनी की डली के आसपास। इसके बावजूद ये पक्षी लंबी दूरी तक उड़ान भरने और मौसम के अनुसार एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में प्रवास करने की क्षमता रखते हैं। इनकी सबसे बड़ी विशेषता इनके पंखों की तेज गति और हवा में एक जगह स्थिर रहने की क्षमता है।

गोमती में बहने लगा बीजेपी का गिला-शिकवा, योगी से मिले बृजभूषण



एजेन्सी

लखनऊ। विधानसभा चुनाव की देहरी पर खड़े उत्तर प्रदेश की सियासत में गुरुवार की देर शाम एक बड़ी राजनीतिक हलचल देखने को मिली। इस हलचल को गृह मंत्री अमित शाह के उस नसीहत से जोड़कर देखा जा जिसमें उन्होंने कहा था कि गिला शिकवा को गोमती में बहा दीजिए। दरअसल सवा साल बाद पूर्व सांसद और बाहुबली नेता बृजभूषण शरण सिंह ने लखनऊ के पांच कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। मुख्यमंत्री और पूर्व सांसद ने बंद कमरे में एक घंटे से भी अधिक समय तक बातचीत की। कभी मुलायम सिंह यादव की तारीफ तो कभी अखिलेश के पक्ष में बयान देकर भाजपा को असहज करने वाले दबदबा सिंह के नाम से मशहूर बृजभूषण शरण सिंह की इतनी लंबी चली मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब मुख्यमंत्री शुक्रवार को बृजभूषण शरण सिंह के इलाके गोंडा, बलरामपुर, देवीपाटन जा रहे हैं। देवीपाटन मंदिर में ही सीएम योगी रात में रुकेंगे।मुख्यमंत्री आवास में प्रवेश करने से पहले मीडिया के पूछे जाने पर बृजभूषण शरण सिंह ने इस मुलाकात के पीछे का कारण स्पष्ट भी किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी के निधन के बाद वे शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए आए हैं। शोक संवेदना के औपचारिक शिष्टाचार से इतर दोनों नेताओं के बीच एक घंटे से अधिक समय तक चली इस लंबी मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

बृजभूषण का दो मंडलों की कई सीटों पर प्रभाव: प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। ऐसे समय में बृजभूषण शरण सिंह का सीएम आवास पहुंचना बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। देवीपाटन मंडल और पूर्वांचल की कई विधानसभा सीटों पर बृजभूषण शरण सिंह और उनके परिवार का सीधा राजनीतिक प्रभाव माना जाता है। चुनाव से पहले पार्टी के भीतर समन्वय और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने के लिहाज से इस लंबी बातचीत को अहम माना जा रहा है।

बयानों से कई बार भाजपा को कर चुके हैं असहज: महिला पहलवानों के शोषण का आरोप लगने के बाद पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बृजभूषण शरण सिंह का टिकट काट दिया था। इसके बाद से बृजभूषण शरण सिंह और भाजपा के बीच दूरियों की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। बीते कुछ महीनों के दौरान बृजभूषण अपने तीखे तेवरों और अलग तरह के बयानों के कारण सुर्खियों में रहे। उन्होंने कई मौकों पर समाजवादी पार्टी के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव की खुलकर तारीफ की, तो कभी सपा प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर दिए गए अपने बयानों से भाजपा को असहज करने वाली स्थिति भी पैदा की।

घर के आंगन में खेल रही दो साल की बच्ची को लेपर्ड ने बनाया शिकार, मौत

समाचार जगत ब्यूरो



उदयपुर। घर के आंगन में खेल रही दो साल की मासूम बच्ची पर अचानक मौत बनकर लेपर्ड झपट पड़ा। छत से छलांग लगाकर लेपर्ड ने बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची की चीख सुनकर परिजन दौड़े, लेकिन तब तक लेपर्ड भाग चुका था। लहूलुहान हालत में बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और परिवार में मातम छा गया। घटना उदयपुर शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर गिर्वा पंचायत समिति की लकड़वास ग्राम पंचायत के धामधर गांव में गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे हुई। गांव पहाड़ी और जंगल क्षेत्र के पास बसा है। पहाड़ी से सटे सुरेश मीणा के घर में उनकी दो साल की बेटी नीलम उर्फ नगीना आंगन में खेल रही थी। बच्ची की मां घर के अंदर खाना बना रही थी। इसी दौरान लेपर्ड ने हमला कर दिया। बच्ची के चाचा रमेश मीणा के अनुसार, रोने की आवाज सुनकर मां और परिवार के अन्य सदस्य बाहर पहुंचे और बच्ची को तुरंत एमबी हॉस्पिटल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना पर गिर्वा तहसीलदार गणेश कुमार विजयवर्गीय और सहायक वन संरक्षक राजेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। सहायक वन संरक्षक ने बताया कि झामरकोटड़ा के पहाड़ी इलाके और जंगल के कारण लेपर्ड की आवाजाही रहती है। निगरानी के लिए घर के आसपास दो पिंजरे और पांच ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। ग्रामीणों ने रात करीब 12 बजे भी लेपर्ड का मूवमेंट देखने की जानकारी दी। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग से लेपर्ड को जल्द पकड़ने की मांग की। नीलम के पिता सुरेश मीणा फैक्ट्री में हेल्पर हैं। परिवार में सात साल का एक बेटा भी है। मासूम की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

प. बंगाल के मंत्री अर्जुन सिंह के बयान पर भड़के नाहिद इस्लाम

हमारी आजादी पर सीधा हमला

एजेन्सी





ढाका/नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के परिवहन मंत्री अर्जुन सिंह के एक बयान पर बांग्लादेश के सांसद नाहिद इस्लाम ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार से अर्जुन सिंह को मंत्रिमंडल से निकालने की मांग की है। नाहिद इस्लाम ने कहा 'पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के परिवहन मंत्री ने बांग्लादेश पर कब्जा करने की धमकी देकर हमारी आजादी और संप्रभुता पर सीधा हमला किया है। लाखों शहीदों के खून से हासिल हुई हमारी प्यारी मातृभूमि के बारे में इस तरह की टिप्पणी 18 करोड़ लोगों के आत्म-सम्मान का घोर अपमान है।' अर्जुन सिंह ने बुधवार को कहा था कि हिंदुओं की हत्याओं के बदले 16 दिसंबर को बांग्लादेश पर 'कब्जा' कर लिया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा था '16 दिसंबर को हम बांग्लादेश पर कब्जा कर लेंगे। अब बहुत हो चुका। बांग्लादेश के पास अब कोई बहाना नहीं चलेगा। जिस तरह से बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याएं की गई हैं हम निश्चित तौर पर उसका बदला लेंगे, इसमें कोई शक नहीं है।' बांग्लादेश के इतिहास में 16 दिसंबर काफी महत्वपूर्ण है। इसीलिए बांग्लादेश ने पाकिस्तान से आजादी हासिल की थी और इस दिन को बांग्लादेश में 'बिजॉय दिवस' यानि विजय दिवस मनाया जाता है। अर्जुन सिंह का बयान उस वक्त आया है जब शेख हसीना ने 16 दिसंबर को बांग्लादेश लौटने की घोषणा की है। शेख हसीना 5 अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं जब एक हिंसक छात्र आंदोलन के दौरान उनकी सरकार गिरा दी गई थी।

मंत्रिमंडल से निकालने की मांग: नाहिद इस्लाम जुलाई-अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए छात्र आंदोलन से निकले नेता हैं और अब वो देश के सांसद बन चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आगे लिखा 'हम इस बयान की कड़ी निंदा करते हैं और इसका विरोध करते हैं। साथ ही हम मांग करते हैं कि उन्हें तुरंत मंत्रिमंडल से हटाया जाए। इसके अलावा अर्जुन सिंह को तुरंत अपनी इस अपमानजनक टिप्पणी को वापस लेना चाहिए और बांग्लादेश की जनता से बिना शर्त माफ़ी मांगनी चाहिए।'

गूगल मैप के भरोसे रेलवे पुल पर पहुंचा ट्रक, हाइट बैरियर से टकराया



भरतपुर, समाचार जगत ब्यूरो। गूगल मैप के निर्देशों पर चल रहा ईंटों से भरा ट्रक देर रात भरतपुर में रेलवे पुल पर लगे हाइट बैरियर से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि हादसे में ड्राइवर बाल-बाल बच गया और उसे कोई चोट नहीं आई। दुर्घटना के बाद पुल पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात बाधित हो गया। उद्योग नगर थाना पुलिस ने बताया कि ट्रक मथुरा की तरफ से भरतपुर आ रहा था। उसमें ईंटें भरी हुई थीं। ड्राइवर गूगल मैप के निर्देशों के अनुसार आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान रेलवे पुल पर पहुंचने पर उसे हाइट बैरियर दिखाई नहीं दिया और ट्रक सीधे उससे जा टकराया। टक्कर के कारण ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद पुल पर लंबा जाम लग गया और दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर उद्योग नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बैरियर कटवाकर ट्रक को हटवाया और यातायात सुचारू करवाया। इसके बाद पुल से वाहनों की आवाजाही फिर शुरू हो सकी। हादसे के बाद एक बार फिर गूगल मैप के निर्देशों पर आंख मूंदकर भरोसा करने और सड़क पर लगे संकेतों व हाइट बैरियर पर ध्यान देने की जरूरत सामने आई है।

ट्रंप ने पुतिन से की अपील

'यूरोप में मिलिट्री आक्रामकता खत्म करे रूस'

एजेन्सी



वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन से यूरोप के खिलाफ सभी सैन्य आक्रामकता खत्म करने के लिए कहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर बताया कि उन्होंने पिछले हफ्ते चीन में मुलाकात के दौरान पुतिन से यह बात कही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने उम्मीद है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म करने के लिए जल्द कोई समझौता हो सकेगा। ट्रंप का यह बयान रूसी राष्ट्रपति को लेकर उनके रुख में नया बदलाव है। इसके पहले चीन में मुलाकात के दौरान उन्होंने पुतिन को अपना दोस्त बताया था। ट्रंप की ताजा सोशल मीडिया पोस्ट नाटो प्रमुख मार्क रूटे से उनकी मुलाकात के एक दिन बाद आई है। ट्रंप फ्लोरिडा में नाटो चीफ से मिले थे।

यूक्रेन-रूस में जल्द समझौते की जताई उम्मीद: ट्रंप ने अपने बयान में यह साफ नहीं किया कि पुतिन से बातचीत के दौरान उन्होंने किन इलाकों का जिक्र किया था और क्या इसमें यूक्रेन भी शामिल है। ट्रंप ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि रूस और यूक्रेन के बीच ऐसे समझौते की प्रबल संभावना है। ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान जल्द से जल्द निकाला जाना चाहिए। बयान में उन्होंने कहा, "हमने इस बात पर भी विस्तार से चर्चा की कि रूस और यूक्रेन के लिए ऐसी किसी कदम से बचना कितना जरूरी है, जिससे जानबूझकर या अनजाने में युद्ध का दायरा बढ़े।"

केरलम के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन का दावा

मेरा फोन टैप किया जा रहा, मुझ पर नजर रखी जा रही

एजेन्सी



तिरुवनंतपुरम। केरलम के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने दावा किया कि उनका फोन टैप किया जा रहा है और उन पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि इसलिए वह कभी-कभी निगरानी करने वालों को गुमराह करने के लिए गलत बातें भी कहते हैं। सतीशन ने संविधान दिवस के एक कार्यक्रम में ये दावे किए। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा दौर में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव बढ़ रहा है, लोगों को खुद सोचने का मौका नहीं दिया जा रहा है।

सुनाया पुराना किस्सा: मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जब वह कॉलेज में पढ़ते थे तब उन्होंने जॉर्ज ऑरवेल का उपन्यास '1984' पढ़ा था। यह एक काल्पनिक उपन्यास है जिसमें बताया गया है कि किस तरह सरकार लोगों पर व्यापक नजर रखती है। उन्होंने कहा कि यह किताब पढ़ने के बाद मैं एक महीने तक तनाव और असुरक्षा महसूस करता रहा। इसकी वजह यह थी कि किताब में बताया गया था कि सरकार अपने नागरिकों पर हर समय और हर जगह नजर रखती है।

बोले- मुझे पता मेरा फोन टैप किया जा रहा: उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि मेरा फोन भी टैप किया जा रहा है। इसलिए कभी-कभी मैं फोन टैप करने वालों को गुमराह करने के लिए गलत बातें कहता हूं। हर किसी पर नजर रखी जा रही है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि कथित फोन टैपिंग के पीछे कौन है।

210 साल पहले अंग्रेज अधिकारी के लगी थी हाथ

ताजमहल से ले जाई गई ऐतिहासिक धरोहर यूके में होगी नीलाम

एजेंसी

लंदन। भारत में ब्रिटिश राज के दौरान ताजमहल से ले जाई गई एक ऐतिहासिक निशानी 200 साल बाद नीलाम होने जा रही है। संगमरमर की इस स्लैब को 9 दिसम्बर को ब्रिटेन में नीलामी के लिए रखा जाएगा। इस पटिया को भारत में तैनात ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अधिकारी कर्नल पॉनोल फिप्स अपने साथ ले गए थे। इसके बाद से यह धरोहर उनके परिवार के पास रही थी।

भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी रूल के दौरान कर्नल पॉनोल फिप्स आगरा के ऐतिहासिक इमारतों के ब्रिटिश अधीक्षक के रूप तैनात रहे थे। उनके पास ताजमहल और दूसरी ऐतिहासिक इमारतों की मरम्मत का जिम्मा था।

नीलामी करने वाली संस्था ल्योन एंड टर्नबुल ने बताया कि फिप्स तो ताजमहल के नीचे एक तहखाने में संगमरमर की यह स्लैब मिली थी। उन्हें बाद में इसे अपने साथ रखने की अनुमति मिल गई थी।



210 साल पहले आगरा में तैनात थे फिप्स

फिप्स के बेटे ने अपने संस्मरणों में इस बात का जिक्र किया था। आगरा में फिप्स का कार्यकाल 1816 में समाप्त हो गया था। उसी दौरान उन्होंने संगमरमर के दो टुकड़ों को लिया था और अपने साथ ले गए थे। नीलामी को आयोजित करने वाली संस्था की एक अधिकारी ने इस कलाकृति को पेश करना सौभाग्य की बात बताया है। यह एक आयताकार स्लैब है जिसके कोने तिरछे कटे हुए हैं। 55.8 सेमी लंबी, 45.2 सेमी चौड़ी और 3 सेमी मोटी इस स्लैब पर पर रंगीन नक्काशी की गई है।
स्लैब में पॉलिश किए हुए एगेट, जैस्पर और कैल्सडोनी जैसे कीमती पत्थरों को जड़ा गया है। स्लैब के चारों तरफ फूलों वाला बॉर्डर बना हुआ है। इसकी बनावट ताजमहल में शाहजहां के मकबरे के ऊपरी समतल हिस्से के किनारों पर बने बॉर्डर जैसी है। इस पर बनी फूलों की डिजाइन मकबरे के ऊपर बाई ओर के डिजाइन से मिलती है।

पंजाब चुनाव: तीन कृषि कानून रद्द कराने वाले किसान संगठन अब कई गुटों में बंटे

एजेन्सी

चंडीगढ़। छह साल पहले 26 नवंबर 2020 को दिल्ली कूच के आह्वान के साथ शुरू हुआ किसान आंदोलन भले ही तीन कृषि कानूनों की वापसी के बाद अपने सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल कर चुका हो, लेकिन किसान संगठनों की ताकत आज भी पंजाब की राजनीति में निर्णायक दबाव समूह के रूप में कायम है। हालांकि, संयुक्त किसान मोर्चे की वह एकजुटता अब कमजोर पड़ चुकी है, जिसने केंद्र सरकार को अपने फैसले से पीछे हटने के लिए मजबूर किया था। अलग-अलग मांगों, राजनीतिक रुख और आंदोलन की रणनीति ने किसान संगठनों को कई धड़ों में बांट दिया है। 2027 विधानसभा चुनाव से पहले किसान संगठनों की सक्रियता और राजनीतिक दलों के साथ उनके रिश्ते फिर चर्चा में हैं। शिअद-भाजपा गठबंधन के पुनर्गठन से किसान मांगों को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ी है। किसान संगठन आठ दिसंबर को मोगा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली से भी उम्मीद लगाए बैठे हैं। उन्हें उम्मीद है कि केंद्र सरकार उनकी मांगों पर कोई घोषणा कर सकती है।

गठबंधन से कुछ संगठनों को उम्मीद: भारतीय किसान यूनियन (कादियां) और भाकियू (लखोवाल) ने शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के समर्थन का ऐलान किया है। कादियां गुट के अध्यक्ष हरमीत सिंह का मानना है कि गठबंधन से किसानों की मांगों को ताकत मिलेगी। संगठन ने पानी समझौतों की समीक्षा, सहकारी क्षेत्र के कृषि ऋण माफी, सभी फसलों पर एमएसपी, फसल विविधीकरण और भूजल संरक्षण की मांग रखी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक त्रिशला गोधा द्वारा समाचार जगत, 11 जवाहर लाल नेहरू मार्ग, विद्याश्रम स्कूल के सामने, संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : शैलेन्द्र गोधा* । फोन : 3509888 (संपादकीय) : फैक्स : 0141-2708088 e-mail: samacharjagat@gmail.com, sjnews@samacharjagat.com
* पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी